आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 21 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 254
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

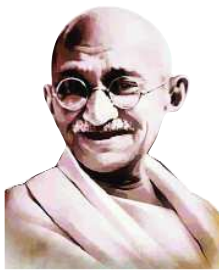
राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शहर की सड़कों पर गड्ढे से ज्यादा खतरनाक नुकीले सरिए

पेज-2

दिशा पाटनी बनीं फिल्म 'आवारापन 2' की पहली पसंद

पेज-5

ट्रायल सफल, अब दौड़ेगी हेरिटेज ट्रेन

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- विजय सरकार पर उदयनिधि का हमला- 'फाइलें खोलिए, सिनेमा के पंच डायलॉग मत मारिए'
- हिसार में विनोद पन्नू हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने का दावा, बदमाशों ने सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट
- अविनाश रेड्डी के ठिकानों पर ED की रेड, हैदराबाद-कडप्पा समेत 10 जगहों पर तलाशी
- CBI ने पूर्व रेलवे अधिकारी और पत्नी पर दर्ज की FIR, संपत्ति में 6 करोड़ से ज्यादा का इजाफा
- जयपुर में स्कूल का जायजा लेने पहुंचे CJP कार्यकर्ताओं का विरोध, ग्रामीणों पर मारपीट और हाथापाई का आरोप
- परिसीमन पर पी चिदंबरम बोले- लोकसभा की 543 सीटों और तमिलनाडु की 39 सीटों में बदलाव न हो
- महाराष्ट्र : देर रात मुंबई के कुर्ला में घर पर गिरी बड़ी क्रेन, घायलों की संख्या बढ़कर 10 पहुंची

प्रदेश में बादल बरसें, इंदौर के तालाब तरसे

डिंडोरी

बिलगढ़ा डैम

इंदौर

4 महीने बीत गए : 15 लाख बच्चों की 65 लाख किताबें छपी ही नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र के सरकारी स्कूलों में नया सत्र शुरू हुए चार महीने से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन 15 लाख विद्यार्थियों की 65 लाख किताबों की छपाई अब तक शुरू नहीं हुई है। कक्षा 5वीं के सभी विषयों और 7वीं की गणित पार्ट-2 व सामाजिक विज्ञान पार्ट-2 की हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू माध्यम की किताबें अटकी हैं। स्थिति यह है कि अभी वर्क ऑर्डर जारी हो भी जाए तो किताबें नवंबर से पहले स्कूलों तक पहुंचना मुश्किल है।

राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसके) के अपर संचालक डॉ. अरुण सिंह ने मई 2026 में ही किताबों की डिमांड भेज दी थी। इसके बाद मप्र पाठ्यपुस्तक निगम (टीबीसी) ने 17 जून को छपाई के टेंडर किए। तत्कालीन एमडी विनय निगम ने अपने ट्रांसफर से पहले तकनीकी बिड भी खोल दी थी।

इसके बाद केवल फाइनेंशियल बिड खोलकर वर्क ऑर्डर जारी होना था। नए एमडी रोहित सिंह के कार्यभार संभालने के बाद ये दोनों काम नहीं हुए। आरएसके और टीबीसी के अफसरों के मुताबिक, अभी वर्क ऑर्डर जारी होता है तो भी किताबें स्कूलों तक पहुंचने में तीन महीने लगेंगे। इनमें 2 माह छपाई, एक माह वितरण में लगेगा। यानी नवंबर से पहले छात्रों को किताबें मिलना मुश्किल है। अगले सत्र पर भी संकट, किताबें सितंबर 2027 तक मिलने की आशंका मौजूदा सत्र की स्थिति तो डांवाडोल है ही, देरी का असर अगले शिक्षण सत्र पर भी पड़ सकता है। अगले सत्र की किताबों के लिए जून में टेंडर प्रक्रिया होती है और अगस्त में ऑर्डर जारी होता है। इससे पहले टेंडर डॉक्यूमेंट तय करने के लिए टीबीसी बोर्ड की कम से कम दो बैठकें करनी पड़ती हैं।

जन-विश्वास के लिए एक ही बस पर सवार मंत्री और कलेक्टर

इंदौर। लसूडिया परमार में आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर में शामिल होने के लिए जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, कलेक्टर शिवम वर्मा सहित जिले के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि आज कलेक्टर कार्यालय से एक ही बस में सवार होकर लसूडिया परमार के लिए रवाना हुए। शिविर में नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

इस्लामिक नाटो में हो सकती है बांग्लादेश की एंट्री

भारत को घेरने के लिए पाक का नया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत को घेरने की कोशिश तेज हो गई है। पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के मक्का रक्षा समझौते में अब बांग्लादेश की दिलचस्पी सामने आई है। इसे इस्लामिक नाटो कहा जा रहा है और बांग्लादेश ने साफ संकेत दिया है कि वह इस आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने की संभावना पर विचार कर सकता है।

खास बात यह है कि यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और बांग्लादेश के रिश्ते पहले से तनावपूर्ण हैं, जबकि ढाका पाकिस्तान और चीन के साथ अपने संपर्क तेजी से बढ़ा रहा है। द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका किसी भी फैसले से पहले अपने राष्ट्रीय हित और बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखेगा। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की से जुड़े किसी आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने की संभावना को लेकर सकारात्मक रुख रखता है।' सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की ने 7 अगस्त को मक्का में इस रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसकी सबसे अहम शर्त है कि तीनों में से किसी एक देश पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर हमले के तौर पर देखा जाएगा।

भाजपा में इंजन और डिब्बों की लड़ाई-पटवारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस के मध्य प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में चल रही भाजपा की डबल इंजन वाली ट्रेन यानी सरकार को कुछ यूं परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक ऐसी ट्रेन है, जिसमें डिब्बे कहते हैं, इंजन हटा दो और इंजन कहता है, डिब्बों को बदल दूंगा। ये लड़ाई चल रही है और इसमें यात्री रूपी जनता परेशान हो रही है। जीतू पटवारी ने आगे अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेता मोहन यादव के खिलाफ दिल्ली जाते हैं, कूच करते हैं और इधर मोहन यादव रोज कहते हैं कि मैं मंत्रिमंडल बदल दूंगा। भाजपा में डिब्बे और इंजन की लड़ाई चल रही है। खरी बात ये है कि कांग्रेस पूरी ताकत से भाजपा की इस डबल इंजन वाली ट्रेन के ब्रेक लगाने में जुटी है। पटवारी का ये राजनीतिक बयान इसी कोशिश का एक हिस्सा माना जा रहा है।

शहर की हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य

सड़क किनारे पेड़ों को कांक्रीट-पेव्हर ब्लॉक से मिलेगी मुक्ति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पर्यावरण संरक्षण और शहर की हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम इंदौर ने सड़क किनारे लगे पेड़-पौधों को कांक्रीट और पेव्हर ब्लॉक से मुक्त करने की पहल शुरू की है। इसके तहत पेड़ों के आसपास पर्याप्त खुली जगह उपलब्ध कराकर थला विकसित किया जाएगा, ताकि वर्षा जल और सिचाई का पानी सीधे उनकी जड़ों तक पहुंच सके। प्रथम चरण के कार्य के लिए निगम ने करीब 21 लाख रुपये के टेंडर आमंत्रित किए हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर शुरू की जा रही इस पहल के तहत शहर के प्रमुख मार्गों से अभियान की शुरुआत होगी। प्रभारी उद्यान राजेंद्र राठौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर में बड़े स्तर पर पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर पेड़ों के चारों ओर कांक्रीट और पेव्हर ब्लॉक होने के कारण बारिश तथा सिचाई का पानी पर्याप्त मात्रा में जड़ों तक नहीं पहुंच पाता। इससे पेड़ों की प्राकृतिक वृद्धि प्रभावित होती है। साथ ही तने के फैलाव के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलने से पेड़ कमजोर होने की आशंका रहती है। नई कार्य व्यवस्था के तहत पेड़ों के आसपास आवश्यक स्थान की कार्निंग कर कांक्रीट और पेव्हर ब्लॉक हटाए जाएंगे। प्रत्येक पेड़ के चारों ओर लगभग एक फीट का थला विकसित किया जाएगा। इससे जड़ों तक पानी और हवा की बेहतर पहुंच होगी तथा पेड़ों को प्राकृतिक रूप से विकसित होने के लिए पर्याप्त जगह मिलेगी। निगम के अनुसार प्रथम चरण में प्रमुख सड़कों के किनारे लगे पेड़ों को इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

नरेन्द्रसिंह तोमर ने बिगड़ी जाति व्यवस्था के लिए नेताओं को बताया जिम्मेदार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

मुरैना ● मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने नेता बिरादरी को खरी बात कह दी। उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था को बिगाड़ने का काम नेताओं ने ही किया है।

तोमर मुरैना में आयोजित संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान और यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- जाति का बंधन, प्रभु ने नहीं बनाया। जाति का बंधन हमारे धर्म में नहीं है। जाति का बंधन सामान्य तौर पर अपनी व्यवस्था के लिए यहां के लोगों ने बनाया।

आगे उन्होंने कहा कि जाति की व्यवस्था को बिगाड़ने का काम और तुष्टिकरण करने का काम अगर किसी ने किया है तो भगवान ने नहीं किया, नेताओं ने अपने-अपने स्वार्थों के लिए किया है। ये हम सब लोग भली-भांति जानते हैं। अब लोग विधानसभा अध्यक्ष के इस बयान पर चुटकियां ले रहे हैं। कह रहे हैं कि नेताओं के मुंह से कभी-कभी सच निकल ही जाता है। कुछ लोग कह रहे हैं कि अब तो नेता जी ने भी मान लिया, इसलिए जाति के नाम पर लड़ना नहीं, नेताओं के चक्कर में पड़ना नहीं। बस मिल-जुलकर प्यार और एकता के साथ रहना है।

कर्ज की रफ्तार हुई तेज, मोहन सरकार ने फिर उठाया 2400 करोड़ का कर्जा

5.36 लाख करोड़ तक पहुंची प्रदेश की देनदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● हर 15 दिन में कर्ज ले रही मोहन सरकार ने एक बार फिर बाजार से अलग-अलग ब्याज दरों पर 2,400 करोड़ रुपए का कर्ज उठाया है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष में लिए गए कर्ज का आंकड़ा पांच महीने में 47,800 करोड़ रुपए पहुंच गया है। वहीं, राज्य सरकार पर कुल कर्ज बढ़कर 5 लाख 36 हजार 514 करोड़ रुपए हो गया है। सरकार ने 19 अगस्त को मैहर में 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की 2,148 करोड़ रुपए की किस्त ट्रांसफर करने से पहले यह कर्ज लिया है।

मोहन सरकार ने 18 अगस्त को सिक्योरिटी की नीलामी के बाद 7.58% और 7.39% ब्याज दर पर 1,400 करोड़ और 1,000 करोड़ रुपए के दो कर्ज उठाए हैं। इन दोनों कर्ज की राशि पर सरकार जनवरी और जुलाई में छमाही आधार पर ब्याज का भुगतान करेगी। दोनों कर्ज की अवधि क्रमशः 12 साल और 8 साल है।

इससे पहले सरकार ने इसी महीने 4 अगस्त को 1,600 करोड़ और 2,000 करोड़ रुपए के दो कर्ज लेकर कुल 3,600 करोड़ रुपए बाजार से जुटाए थे। वहीं, 21 जुलाई को सबसे बड़ा 24,400 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया था। उस दिन 20,000 करोड़, 1,000 करोड़, 1,400 करोड़ और 2,000 करोड़ रुपए के चार कर्ज उठाए गए थे। 31 मार्च 2026 की स्थिति में राज्य सरकार पर 4 लाख 88 हजार 714 करोड़ रुपए का कर्ज था। चालू वित्त वर्ष में अब तक लिए गए 47,800 करोड़ रुपए के नए कर्ज के बाद यह बढ़कर 5 लाख 36 हजार 514 करोड़ रुपए हो गया है।

मनोज मुंतसिर के 'कृष्णा' पर नगर निगम की नजर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में आयोजित होने वाले बड़े सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों पर नगर निगम की नजर अब और सख्त हो गई है। बीते दिनों दिलजीत दोसांझ के लाइव कंसर्ट के आयोजन को लेकर मनोरंजन कर जमा नहीं करने के आरोपों के बाद अब निगम ने सारेगामा के होने वाले आगामी आयोजन को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है। 22 और 23 अगस्त को मनोज मुंतशिर का 'कृष्णा' नाट्य इंदौर में आयोजित होना है। नगर निगम राजस्व समिति के प्रभारी निरंजन सिह चौहान ने कहा कि आयोजन से जुड़े मामले में कंपनी से पिछला बकाया मनोरंजन कर वसूला जाएगा। साथ ही आगामी 'कृष्णा' नाट्य के लिए नियमानुसार एडवांस टैक्स भी जमा करवाया जाएगा। निगम आयोजन से पहले कर की प्रक्रिया पूरी कराने की तैयारी में है। अधिकारियों के मुताबिक, शहर में बड़े व्यावसायिक और मनोरंजन आयोजनों से नियमानुसार कर वसूलना निगम की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों में टिकट बिक्री और अन्य संबंधित गतिविधियों के आधार पर देय कर का आकलन किया जाता है। निगम अब पुराने बकाये की वसूली के साथ नए आयोजन की कर देयता पर भी नजर रखेगा।

न्यूज ब्रीफ

यूनिक हॉस्पिटल : नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बढ़ती उम्र के साथ शरीर में होने वाले बदलावों पर समय रहते ध्यान देना जरूरी है। हड्डियों की कमजोरी, हृदय से जुड़ी परेशानी और दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं कई बार शुरुआती दौर में साफ नजर नहीं आतीं। नियमित जांच और सही समय पर विशेषज्ञ से सलाह इन समस्याओं की पहचान में मदद कर सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक मंच अन्नपूर्णा क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में यूनिक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, इंदौर के सहयोग से 21 अगस्त 2026, शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक मंच अन्नपूर्णा क्षेत्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। सुबह से दोपहर 2 बजे तक आयोजित इस शिविर में हड्डी एवं हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श दिया जाएगा।

फैबइंडिया के नए फेस्टिव क्यूरेशन के साथ मनाये रक्षा बंधन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारत के प्रमुख लाइफस्टाइल ब्रांड फ़ैबइंडिया ने अपने नए फेस्टिव कैंपेन 'हर पल स्वर्णिम' के अंतर्गत रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक विशेष 'राखी क्यूरेशन' लॉन्च किया है। त्योहारों की परंपराओं को एक नया और एलिगेंट लुक देते हुए, ब्राइट पिंक और ओम्ब्रे शेड्स के खूबसूरत कलर्स में तैयार यह नया लाइनअप शानदार फेस्टिव वेयर और वर्सेटाइल कपड़ों का बेहतरीन मिक्स है, जो सभी को 'सेलिब्रेट इंडिया एवरीडे' के लिए इंस्पायर करता है। ट्रेडिशनल स्टाइल में मॉडर्न टच देते हुए, महिलाओ के लिए खूबसूरत गोल्ड खड़ी हैंड-ब्लॉक प्रिंट्स वाली क्लासिक महेश्वरी और कॉटन-सिल्क साड़ियां खास तौर पर पेश की गई हैं।

कहीं सड़क तो कहीं फुटपाथ से बाहर निकले एंगल और सरिए, रात के अंधेरे में दिखाई नहीं देते

शहर की सड़कों पर गड्ढे से ज्यादा खतरनाक नुकीले सरिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर की सड़कों पर अब सिर्फ गड्?ढों से बचकर निकलना ही चुनौती नहीं है। कई जगह जमीन से बाहर निकले नुकीले सरिए और लोहे के एंगल भी वाहन चालकों के लिए छिपे हुए खतरेद्य बन गए हैं। दिन में तो किसी तरह नजर आ जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में यही लोहे के टुकड़े कब टायर में घुस जाएं और कब वाहन का संतुलन बिगाड़ दें, कहा नहीं जा सकता।

मामला सिर्फ टायर पंचर होने तक सीमित नहीं है, क्योंकि दोपहिया वाहन का टायर अचानक फटने पर चालक गंभीर हादसे का शिकार हो सकता है। शहर के अलग-अलग मार्गों पर सड़क और फुटपाथ के आसपास निर्माण कार्यों के बाद छोड़े गए लोहे के एंगल और सरियों के अवशेष अब आम लोगों के लिए परेशानी का

कारण बन रहे हैं। इसी गंभीर समस्या को लेकर समाजसेवी एवं आरटीआई एक्टिविस्ट नरेंद्र गोस्वामी ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

बुजुर्ग और बच्चों के लिए भी खतरा-इन लोहे के अवशेषों से खतरा सिर्फ वाहन चालकों को नहीं है। सड़क किनारे पैदल चलने वाले बुजुर्ग, बच्चे और आम राहगीर भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। अंधेरे में नुकीला सरिया दिखाई नहीं देने पर पैर टकराने से चोट लग सकती है। ऐसे में किसी बड़े हादसे से पहले इन खतरनाक स्थानों को चिन्हित कर सुरक्षित करना जरूरी है। नरेंद्र गोस्वामी ने निगमायुक्त को दिए ज्ञापन में सवाल उठाया कि जब सड़कों पर मौजूद ये लोहे के अवशेष पहले से खतरा बने हुए हैं तो किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों किया जाए? उन्होंने नगर निगम के संबंधित अमले को शहरभर में अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, आंतरिक सड़कों और फुटपाथों का निरीक्षण करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जहां भी जमीन से सरिए, एंगल या लोहे के अन्य अवशेष बाहर निकले हैं, उन्हें काटकर हटाया जाए या जमीन के स्तर तक समतल किया जाए। इससे न केवल वाहनों के टायरों को नुकसान से बचाया जा सकेगा, बल्कि पैदल राहगीरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

सड़क पर दिखता नहीं, जेब पर सीधा असर

नुकीले सरिए और एंगल भले ही सड़क पर कुछ इंच के हों, लेकिन इनसे होने वाला नुकसान वाहन मालिक की जेब पर भारी पड़ सकता है। वाहन का टायर कटने या फटने के बाद नया टायर खरीदने का खर्च अलग और यदि चलते वाहन का संतुलन बिगड़ा तो दुर्घटना का खतरा अलग। ट्रैफिक जाम के दौरान स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो जाती है। वाहनों के बीच से निकलते समय चालक का ध्यान सामने और आसपास के ट्रैफिक पर रहता है। ऐसे में नीचे निकला लोहे का टुकड़ा नजर नहीं आता और वाहन सीधे उसके ऊपर चढ़ जाता है।

देवी अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर 'आप' ने शुरू किया 'गड्ढे भरो, जान बचाओ' आंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर शहर की बदहाल सड़कों और जानलेवा गड्ढों के खिलाफ आम आदमी पार्टी इंदौर द्वारा चलाए जा रहे 'गड्ढे भरो, जान बचाओ' आंदोलन की शुरुआत आज देवी अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। आंदोलन की शुरुआत से पहले कार्यकर्ताओं ने देवी अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और शहर की सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर आंदोलन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इसके बाद हाल ही में सड़क के गड्ढों के कारण हादसों में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यकर्ताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सरकार एवं नगर निगम से सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर और तत्काल कदम उठाने की मांग की। इसके बाद कार्यकर्ता पदयात्रा के रूप में नगर निगम कमिश्नर कार्यालय पहुंचे, जहां हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने थालियां और तसले बजाकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। आप इंदौर ने नगर निगम प्रशासन से सवाल किया कि गड्ढे भरने के लिए करोड़ों रुपये की मशीनें खरीदी गई थीं, आखिर वे मशीनें आज कहाँ हैं? यदि मशीनें नगर निगम के पास मौजूद हैं तो शहर की सड़कों पर गड्ढे जस के तस क्यों हैं और इन मशीनों का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा?

फर्जी लेटरपैड मामले में पूर्व पार्षद पर शिकंजा पुलिस ने फरार बताते हुए पेश किया चालान

एआईसीटीएसएल के नाम पर सरकारी स्कूल में निजी बसें खड़ी कराने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) के नाम का कथित फर्जी लेटरपैड तैयार कर उसका इस्तेमाल सरकारी स्कूल परिसर में निजी बसों की पार्किंग के लिए अनुमति लेने के मामले में करीब पांच साल बाद पुलिस ने चालान पेश किया है। मामले में पूर्व पार्षद इफ्तेखार (मुन्ना) अंसारी को पुलिस ने फरार बताया है। बुधवार को जिला कोर्ट में चालान पेश किए जाने के बाद अदालत ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई तक आरोपी को पेश किया जाए। मामले में अब 2 सितंबर को सुनवाई होगी।

मामला वर्ष 2021 में दर्ज हुआ था। शुरुआती जांच और एफआईआर में धाराओं को लेकर सवाल उठने के बाद मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा था। अब पुलिस ने बढ़ी हुई धाराओं के साथ जिला कोर्ट में चालान पेश किया है। मामले की जड़ में एआईसीटीएसएल के नाम का कथित फर्जी लेटरपैड है। आरोप है कि मुन्ना अंसारी ने एआईसीटीएसएल के नाम का लेटरपैड तैयार किया और उस पर एक पत्र बनाया। इसी पत्र के आधार पर अपनी ट्रांसपोर्ट कंपनी की बसों को सरकारी स्कूल परिसर में खड़ा करने के लिए अनुमति हासिल करने का प्रयास किए जाने का आरोप है। एफआईआर में धाराओं को लेकर उठे थे सवाल हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान पुलिस की कार्रवाई और धाराओं को लेकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया। पुलिस ने हाई कोर्ट को बताया कि मामले में धाराएं बढ़ा दी गई हैं। पुलिस ने अदालत को यह भी बताया कि जोड़ी गई धाराएं गंभीर अपराध से संबंधित हैं। इसके बाद जिला कोर्ट में चालान पेश किया है।

कैबिनेट मंत्री दिलीप घोष टीम के साथ पहुंचे इंदौर

बंगाल ने माना स्वच्छता में इंदौर ही रोल मॉडल... यहां का सिस्टम मजबूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्वच्छता के क्षेत्र में देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके इंदौर के मॉडल को अब पश्चिम बंगाल भी अपनाने की तैयारी में है। पश्चिम बंगाल के कैबिनेट मंत्री दिलीप घोष अधिकारियों की टीम के साथ एक दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंचे। टीम ने यहां कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, कचरा सेग्रीगेशन, कलेक्शन और प्रोसेसिंग सिस्टम का बारीकी से अध्ययन किया। मंत्री ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मुलाकात कर इंदौर की स्वच्छता व्यवस्था की

जानकारी ली। दिलीप घोष ने कहा कि इंदौर आज अचानक स्वच्छता में आगे नहीं आया, बल्कि शहर ने करीब 20 वर्षों में लगातार मेहनत कर यह व्यवस्था तैयार की है। इसी वजह से बंगाल की टीम इंदौर को रोल मॉडल मानकर यहां की व्यवस्थाओं को समझने पहुंची है। मंत्री ने कहा कि टीम का उद्देश्य केवल यह देखना नहीं है कि इंदौर में सड़कों की सफाई कैसे होती है। कचराघरों और व्यावसायिक क्षेत्रों से कैसे उठता है, उसका सेग्रीगेशन कैसे होता है, कचरा कहां पहुंचता है और कैसे प्रोसेस किया जाता है-पूरी चेन को समझा जा रहा है।

सांवेर में राजीव गांधी जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

धर्मेंद्र सोलंकी

सांवेर • दैनिक इंदौर संकेत

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सांवेर बस स्टैंड पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम चौधरी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्याम सोनी एवं जनपद सदस्य शंकर परमार (कजलाना) के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके देश के विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रफीक कालू रहमान, पूर्व नगर अध्यक्ष इसाक खान पठान, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष फखरुद्दीन काजी, सांवेर मंडलम अध्यक्ष जितेंद्र सिसोदिया, कैलाश मालीखेड़ी, माणक सर्वा, चंदू सोलंकी, सोमेश्वर मालवीय, युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष लोकेश मालवीय, विकास सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने तथा कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कल कलेक्टर और तहसीलदार हाईकोर्ट में होना है हाजिर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा और तहसीलदार प्रीति भीसे को व्यक्तिगत रूप से कल जस्टिस संदीप एन भट्ट की बेंच में हाजिर होना है। गत सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वन विभाग के कर्मचारियों की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए इन्हें आज उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे। इनके वेतन से संबंधित विवाद में बकाया राशि की वसूली के आदेश का पालन ना होने पर यह अवमानना याचिका लगाई गई है।

टॉप 500 जेईई/नीट छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल का मौका

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • फिजिक्सवाला PWNSAT 2026 जेईई/नीट की तैयारी करने वाले टॉप 500 छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल, 2.5 करोड़ तक के कैश प्राइज का मौका । रजिस्ट्रेशन बिल्कुल मुफ्त है और कक्षा 5 से 12वीं तक के छात्रों के साथ-साथ कक्षा 12वीं पास कर चुके छात्र भी इसमें शामिल हो सकते हैं। यह सुविधा पीसीएम और पीसीबी दोनों स्ट्रीम के छात्रों के लिए है।

अब जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र 48 घंटे में बनेगा, घर बैठे मिलेगी पीडीएफ फाइल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहरवासियों के लिए नगर निगम ने जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को आसान करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब लोगों को प्रमाण पत्र के लिए बार-बार नगर निगम मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

नई व्यवस्था के तहत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित जोन कार्यालयों से जारी किए जाएंगे और 48 घंटे के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई है। अब निगम मुख्यालय से जारी होने वाले प्रमाण पत्रों का काम जोन क्रमांक 1 से 22 के माध्यम से किया जाएगा। सभी जोन कार्यालयों को आवेदनों का जल्द निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत जोन क्षेत्र के निजी अस्पतालों और मुक्तिधाम-कब्रिस्तान से जन्म या मृत्यु की सूचना मिलते ही पोर्टल पर उसकी एंट्री और अनुमोदन की प्रक्रिया जल्द से जल्द, संभव हो तो उसी दिन पूरी की जाएगी। अनुमोदन के बाद जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र की सूचना संबंधित परिजन के मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। इससे लोगों को प्रमाण पत्र लेने के लिए कार्यालय आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए जोन क्षेत्र में आने वाले सभी निजी अस्पतालों को जन्म-मृत्यु से संबंधित डेटा प्रतिदिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे।

ऑफलाइन आवेदन करने पर मिलेगा आवक नंबर

यदि कोई नागरिक जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ऑफलाइन आवेदन करता है तो आवेदन को कार्यालय की आवक में दर्ज किया जाएगा। आवेदक को आवेदन का आवक क्रमांक और तारीख दी जाएगी। इसके बाद कंप्यूटर ऑपरेटर इंदौर 311 एप के माध्यम से आवेदन की ऑनलाइन एंट्री करेगा। इस प्रक्रिया से आवेदन की मॉनिटरिंग और समय पर निराकरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

करणी सेना के जिला अध्यक्ष ने मनाया नैतिक ठाकुर का जन्मदिन

देपालपुर में ऋषिराज सिंह की बड़ी सक्रियता

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर • मध्य प्रदेश में करणी सेना ने विधानसभा चुनाव में चुनाव लड़ने का ऐलान किया तब से करणी सेना के नेता इंदौर के जिला अध्यक्ष ऋषिराज सिंह देपालपुर विधानसभा में सक्रिय हो गए। लगातार देपालपुर विधानसभा में ग्रामीण अंचल का दौरा कर रहे हैं। किसानों के साथ देपालपुर क्षेत्र में कहीं आंदोलन सरकार के खिलाफ कर चुके हैं इतना ही नहीं देपालपुर क्षेत्र में आयोजनों में भी ऋषिराज सिंह रोज देपालपुर पहुंच रहे हैं। ऋषिराज सिंह को कलोता समाज का समर्थन भी मिल रहा खास बात तो यह कल के दौरे कार्यक्रम हातोद,बाड़ोलिहोज, देपालपुर,फरकोदा, हत्याना में जिला अध्यक्ष का जोरदार स्वागत सम्मान हुआ कार्यक्रम के पश्चात ऋषिराज सिंह अपने खास समर्थक नैतिक ठाकुर का जन्मदिन मनाने बेटमा रोड पहुंचे ठाकुर के समर्थकों ने जन्मदिन पर आतिशबाजी के साथ कैक काटकर जन्मदिन मनाया इतना ही नहीं ऋषिराज सिंह की सक्रियता देपालपुर नगर में लगातार बढ़ती जा रही है। युवाओं का साथ उन्हें मिल रहा कार्यक्रम के दौरान कहीं समर्थक मौजूद रहे अध्यक्ष महेश जी हाड़ा, मानवेंद्र सिंह, नगर अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह गोयल,गोविंद सिंह दरबार,गोविंद सिंह चंदेल, विजेंद्र ठाकुर विनोद ठाकुर राजेंद्र सोलंकी,मोहन ठाकुर, अखिलेश ठाकुर, जय दरबार,अखलेश दरबार, रोहित विकास ठाकुर, विकास सोलंकी शुभम दयाल, हिम्मत सिंह तवर,सुभाष दयाल, विशाल ठाकुर, आदि उपस्थित थे।

केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स ने ब्रेन हेमरेज के मरीज की नई तकनीक से बचाई जान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अचानक होने वाला बहुत तेज सिरदर्द और लगातार उल्टी कई बार गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। ऐसे ही लक्षणों के साथ 66 वर्षीय महिला को तीन दिन तक तेज सिरदर्द और बार-बार उल्टी होती रही। अगले दो दिनों में उनकी हालत बिगड़ने लगी और होश में भी बदलाव आने लगा। इसके बाद उन्हें केयर सीएचएल हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लाया गया। जांच में दिमाग के आसपास ब्लीडिंग के साथ वेंट्रिकल्स में भी खून जमा होने और हल्के हाइड्रोसेफेलस की स्थिति सामने आई।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत सीटी ब्रेन एंजियोग्राफी की गई। इसमें दिमाग की एक नस में करीब 5म4 मिलीमीटर की एन्यूरिज्म मिली, जो फटने के कारण ब्रेन हेमरेज हुआ था। स्कैन में दिमाग के कई हिस्सों और वेंट्रिकल्स में ब्लीडिंग के साथ ब्रेन में सूजन भी दिखाई दी। मरीज की स्थिति को देखते हुए न्यूरो टीम ने तुरंत एंडोवास्कुलर एन्यूरिज्म कॉइलिंग की। इस प्रक्रिया में कैथेटर के जरिए एन्यूरिज्म को बंद किया गया, जिससे दोबारा ब्लीडिंग का खतरा कम किया जा सके। इसके बाद मरीज को न्यूरो आईसीयू में रखकर लगातार निगरानी, ब्लड प्रेशर कंट्रोल, हाइड्रोसेफेलस का इलाज और अन्य जरूरी न्यूरोक्रिटिकल केयर दी गई। इलाज के दौरान मरीज की न्यूरोलॉजिकल स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ। समय पर जांच और इलाज मिलने के बाद वह बिना किसी बड़े न्यूरोलॉजिकल नुकसान के स्थिर हालत में अस्पताल से डिस्चार्ज हो गईं।

4 सितंबर को निकलने वाली शोभा यात्रा की बैठक संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर • मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष व प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के ज्येष्ठ भ्राता नारायण यादव के मुख्य अतिथि में आयोजित हई। बैठक आकासौदा, गोहाना, सिकंदरी ,बीजा, झलारिया,आगरा आदि गांव के साथ ही देपालपुर, गौतमपुरा, हातोद व बेटमा नगर के वरिष्ठ प्रतिनिधि गण आयोजक बबलू यादव के नेतृत्व में एकत्रित हुए बैठक को संबोधित करते हुवे यादव ने कहा कि भगवान श्री कष्णा किसी जाति विशेष के नहीं है वे संपूर्ण हिंदू समाज के है वह सनातन धर्म के हैं। 4 सितंबर को होने वाले आयोज के आमंत्रण के लिए में आप सब को आमंत्रीत करने आया हूं । आप सब परिवार सहित श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर उज्जैन में पधार कर गोपाल मदिर से निकलने वाली भव्य शोभा यात्रा में शामिल हो। बैठक को पूर्व भारती स्टेट बैंक

प्रबंधक आर डी यादव, इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष हरिनारायण यादव ,पूर्व प्रतिपक्ष नेता छोटे यादव, भाजपा नगर मंत्री गुलशन यादव, भाजपा देपालपुर नगर पूर्व अध्यक्ष योगेन्द्र यादव, पूर्व जनपद सदस्य कैलाश पेंटर आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान यादव को बबलू यादव मित्र मंडल के द्वारा भव्य पुष्प माला पहनकर तथा शाल श्रीफल व साफाबधकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चेनसिह यादव को लगातार तीसरी बार देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अध्यक्ष बनने यादव व अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया बैठक मैं नगर परिषद देपालपुर के अध्यक्ष प्रतिनिधि माहेश पूरी गोस्वामी,न प के पूर्व उपाध्यक्ष विमल यादव,दीनदयाल चोबे,दीपू पहलवान,यादव समाज के वरिष्ठ गिरधारी यादव , किशोर यादव, अशोक यादव,यशवंत यादव,राजेंद्र यादव सहित समाज के सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित थे कार्यक्रमक का सफल संचालन देवी अहिल्यावश्वविद्यालय के अध्यक्ष चैन सिंह यादव ने किया तथा आभार आयोजक बबलू यादव ने प्रकट किया।

विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की भागीदारी जरूरी - कुलगुरू प्रो. सिंघई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी जड़ों, इतिहास, संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझना होगा। शिक्षा का उद्देश्य ऐसा नागरिक तैयार करना होना चाहिए, जो ज्ञान के साथ संस्कार, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को भी अपने व्यवहार में उतारे। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस में गुरुवार को आयोजित दीक्षारंभ-2026 में कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई ने नए विद्यार्थियों से संवाद करते हुए शिक्षा और विश्वविद्यालय की भूमिका को व्यापक सामाजिक संदर्भ में समझाया। नए विद्यार्थियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन के बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। एचओडी डॉ. रेखा आचार्य ने विभाग की दिशा और विद्यार्थियों की भूमिका को बताया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 21 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

अधिक उम्र के उच्च शिक्षित प्रत्याशियों के अभा परिचय सम्मेलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र वैश्य महासम्मेलन द्वारा 30 वर्ष से अधिक आयु के करीब 25 वैश्य घटकों के विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभा स्तर के परिचय सम्मेलन के लिए अब तक देश के 12 राज्यों से 1450 प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, खंडेलवाल, चित्तौड़ा महाजन, गहोई वैश्य, विजयवर्गीय, मेढ़तवाल, नागर नीमा, पोरवाल सहित वैश्य समाजों के उच्च शिक्षित, स्वयं के कारोबार में स्थापित और प्रोफेशनल एवं व्यवसायिक उद्यमों में शामिल प्रत्याशी भी हैं। शहर के रिंग रोड स्थित दस्तूर गार्डन पर 26-27 सितम्बर को हो रहे इस परिचय सम्मेलन के लिए वैश्य घटकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रविष्ठियां मिलने का क्रम अब तक जारी है। उम्मीद है कि करीब 3 हजार प्रत्याशी इस परिचय सम्मेलन में अपने लिए योग्य एवं श्रेष्ठ जीवनसाथी का चयन करेंगे।

अभा स्वतंत्रता सेनानी परिषद में अनिरुद्ध मिश्रा बने जिला कोषाध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अभा स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण परिषद नई दिल्ली की इंदौर जिला इकाई में युवा समाजसेवी पं. अनिरुद्ध शर्मा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें 106 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. बसन्तीलाल पाण्डेय ने एक समारोह में यह नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर गोपीकृष्ण पाण्डेय, प्रीतम सावलानी, राधेश्याम गुप्ता, पं. राजकुमार प्रभुदयाल चौबे, श्रीमती सरिता तिवारी, ओमप्रकाश जगन्नाथ वर्मा, उमेश नरसिंह पारिख, प्रदेश संयोजक अशोक सिन्धु, प्रवक्ता श्रीमती वर्षा जैन, राष्ट्रीय संयोजक नित्यानंद शर्मा, पं. मोहित शर्मा सहित अनेक गणमान्य सेनानी परिवारों से जुड़े बंधु उपस्थित थे। श्री परशुराम महासभा के प्रदेश प्रभारी पं. संजय मिश्रा एवं पं. शैलेन्द्र जोशी ने भी अनिरुद्ध शर्मा को यह नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उनकी नियुक्ति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सुधीर सेठिया की अनुशंसा, संभागीय अध्यक्ष राकेश शास्त्री की सहमति से जिला अध्यक्ष पं. दिनेश दुबे ने की है।

सांवरिया सेठ ने रथ में विराजित होकर प्रभातफेरी की शक्ल में किया नगर भ्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री सांवरिया मित्र मंडल पदयात्री संघ के तत्वावधान में श्रावण मास में व्यंकटेश विहार कॉलोनी, छोटा बांगडदा क्षेत्र में सांवरिया सेठ के भक्तों की प्रभात फेरी का नगर भ्रमण पूरे जोश एवं उत्साह के साथ किया गया। प्रभात फेरी संयोजक बजरंग सेना के प्रदेश प्रमुख मोहनलाल बामनिया के नेतृत्व में आयोजित इस प्रभात फेरी में भक्तों का जोश और जज्बा देखते ही बनता था। राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल भी इस प्रभात फेरी में खुद को नाचने और झूमने से नहीं रोक सके। प्रभात फेरी में गणेश भिया खिचड़ीवाले के साथ घनश्याम काकानी, अनिल शर्मा, धर्मेन्द्र उपाध्याय, राजन नवलानी, अशोक शर्मा, सुरजीत गजमोरे एवं अमित बागोरा सहित बड़ी संख्या में सांवरिया सेठ के भक्त अपने परम्परागत परिधान में केसरिया दुपट्टा पहने शामिल हुए। मातृशक्ति ने भी पूरे उत्साह के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई। व्यंकटेश विहार क्षेत्र में ऐसा कोई घर नहीं बचा था जहाँ प्रभात फेरी और सांवरिया सेठ का स्वागत नहीं हुआ। प्रभात फेरी की अगवानी के लिए पूरे क्षेत्र में 25 स्वागत मंच और तोरण द्वारा बनाकर पूरे मार्ग को फूलों और गुब्बारों से सजाया गया था।

परीक्षा फार्म भरने पर अपार आईडी नहीं अनिवार्य

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● एमपी बोर्ड द्वारा 10वीं-12वीं के परीक्षा फार्म को लेकर छात्रों और स्कूलों की परेशानी को देखते अपार आईडी की अनिवार्यता को वैकल्पिक किया जा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 10वीं और 12वीं के परीक्षा फार्म भरने के लिए अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रिकॉर्ड) आईडी अनिवार्य नहीं रहेगी। माशिमं से जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी किए जाएंगे।

राजधानी समेत देशभर में अपार आईडी यूडीआईएसई पोर्टल के आधार पर छात्रों का स्थायी शैक्षणिक रिकॉर्ड तैयार करने के लिए बनाई जा रही है।

इसमें छात्र-छात्राओं के कोर्स, अंक, प्रमाण पत्र, डिग्री, ब्लड डीपीआई के पत्र पर एमपी बोर्ड ने दी 10 वीं और 12 के स्टूडेंट्स को बड़ी राहत, आईडी वैकल्पिक ग्रुप, शारीरिक विवरण, मार्कशीट, कैरेक्टर सर्टिफिकेट और ट्रांसफर सर्टिफिकेट जैसे सभी दस्तावेज डिजी लॉकर के माध्यम से सुरक्षित रखे जाते हैं।

एमपी बोर्ड के द्वारा पूर्व में जारी किए गए आदेश के अनुसार 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय अपार आईडी का उल्लेख जरूरी किया था। हालांकि स्कूलों और छात्रों को आईडी बनाने में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में एमपी बोर्ड से संबंधित स्कूलों में 10वीं-12वीं में 17 लाख से अधिक विद्यार्थी है। इनमें से करीब 20 फीसदी छात्र-छात्राओं की अपार आईडी नहीं बनी है। ऐसे में यह विद्यार्थी परीक्षा फार्म भरने से वंचित रह सकते हैं।

इसे लेकर अपर परियोजना संचालक लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) नंदा भलावे कुशरे ने सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल बुद्धेश कुमार वैद्य को पत्र लिखा है। पत्र सें छात्रों की परेशानी का जिक्र किया गया है। उन्होंने बताया कि बीस फीसदी छात्रों की अपार आईडी नहीं बनी है। इसके चलते उन्हें परीक्षा फार्म भरने में परेशानी आ रही है। माशिमं ने यह पत्र पहुंचते ही सचिव माशिमं ने छात्रहित में अपार आईडी को वैकल्पिक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। माशिमं द्वारा जल्दी इससंबंध में आदेश जारी किए जाएंगे। गौरतलब है कि पिछले साल भी अपार आईडी को माशिमं ने अनिवार्य किया था। इसके बाद लोक शिक्षण के पत्र के आधार पर वैकल्पिक कर दिया था। इस बार भी माशिमं अपार आईडी को अनिवार्य से अब वैकल्पिक करने जा रहा है।

अपार आईडी बनवाने में यह परेशानियां

अपार आईडी बनवाने में दिक्कत यह हो रही है कि कई छात्रों के दस्तावेज अधूरे या गलत पाए जा रहे हैं। इससे अपलोडिंग और सत्यापन में दिक्कतें आ रही हैं। आधार कार्ड और समग्र पोर्टल के रिकॉर्ड स्कूल के दस्तावेजों से मेल नहीं खा रहे हैं। इसलिए भी अपार आईडी नहीं बन पा रही है। यही कारण है कि किसी स्कूल में केवल 50 तो किसी में 60 प्रतिशत छात्रों की ही आईडी बन पाई है। अपार आईडी के बिना नामांकन प्रक्रिया अधर में लटक गई है।

जापान जाएंगी नैन्सी, पीयूष गोयल के साथ भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल में होंगी शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नैन्सी डायमंड इंडिया की संस्थापक नैन्सी धारीवाल को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ जापान जाने वाले भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रतिनिधिमंडल 24 से 28 अगस्त 2026 तक जापान की यात्रा करेगा। भारत-जापान के बीच व्यापार, निवेश और व्यावसायिक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से होने वाली इस यात्रा में नैन्सी धारीवाल भारतीय महिला उद्यमिता और जेम्स एंड ज्वैलरी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगी। जीआईए एवं ज्वैलरी डिजाइनर नैन्सी धारीवाल natural और lab-grown diamonds, solitaires तथा bespoke jewellery के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्हें 'Woman Entrepreneur of the Year 2024-25' सम्मान भी मिल चुका है।

नैन्सी धारीवाल ने कहा कि जापान में भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अवसर भारतीय महिला उद्यमियों और देश के Gems & Jewellery उद्योग को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नैन्सी डायमंड इंडिया का लक्ष्य भारतीय craftsmanship, quality और design को अंतरराष्ट्रीय jewellery market तक पहुंचाना और 'Made in India' को वैश्विक पहचान दिलाना है।

पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधिकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़े किसान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि किसानों के लिए नई तकनीक और नवाचार ने खेती में समृद्धि के नए रास्ते खोल हैं। आने वाले समय में कृषि उद्योग, ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधीकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन और मछली पालन को अपनाकर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अशोक नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अशोकनगर के अन्नदाता अपनी मेहनत से प्रदेश भर के किसानों के लिए मिसाल बन रहे हैं। अशोकनगर की चंदेरी साड़ी ने मध्यप्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है। अशोकनगर के शरबती गेहूं का स्वाद बेजोड़ है। अशोकनगर के शरबती गेहूं की देशभर में मांग है।प्रसन्नता का विषय है कि जिले के किसानों में धनिया और गुलाब जैसी उद्यानिकी फसलों के लिए रुचि बढ़ी है। कम बारिश की चुनौती के बीच डीआरएस तकनीक से धान की रोपाई का रकबा बढ़ाकर अशोक नगर के किसानों ने आपदा को अवसर में बदला है। फसल विविधीकरण से जिले में चना और मसूर का भी रकबा बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान, महिला, गरीब और युवा चारों वर्ग राज्य सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। किसान के समृद्ध और खुशहाल होने से ही संपूर्ण समाज अन्न और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। सीमा पर जवान और खेत में किसान की भूमिका समान है, दोनों ही देश के लिए समर्पित हैं। राज्य सरकार पूर्ण संवेदनशीलता और सक्रियता से किसान हित में कार्य कर रही है।

प्रशंसा से अभिमान और अभिमान से पतन निश्चित, तमोगुण से बचने के लिए मन और बुद्धि के बीच समन्वय जरुरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रशंसा से अभिमान और अभिमान से पतन निश्चित होता है लेकिन मन और बुद्धि के बीच समन्वय से ही हम तमोगुण से बच सकते हैं। बुद्धि तभी निर्मल और पवित्र होगी, जब हम सदगुणों को आत्मसात करेंगे। सत्संग और भगवान की कथा हमारे विवेक को सही दिशा में ले जाते हैं। शिव पुराण पाप से निवृत्त होने की कथा है। पाप का मूल लोभ या मोह होता है जबकि पुण्य का मूल धर्म होता है। आजकल भक्ति के नाम पर प्रदर्शन और आडम्बर ज्यादा हो रहा है। लोग कुम्भ स्नान तब तक पूरा नहीं मानते, जब तक स्नान की तस्वीर फेसबुक पर वायरल नहीं हो जाती। तिलक नगर क्षेत्र के कृषि विहार उद्यान स्थित श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर पर चल रही शिव महापुराण कथा में श्रीधाम वृन्दावन के प्रख्यात आचार्य पं. शिवेंद्र कृष्ण शास्त्री ने विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व यजमान समूह की ओर से पिंटू नामदेव-नीता मिश्रा, एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, छत्रपाल सोलंकी, संजय खादीवाला एवं विजय मिश्रा सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शिवपुराण का पूजन किया। व्यासपीठ पूजन के साथ कथा का शुभारंभ हुआ।

लोक शिक्षण संचालनालय की घटना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के संबंध में आवश्यक वक्तव्य मप्र शिक्षक कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 20 अगस्त को लोक शिक्षण संचालनालय के प्रांगण में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना अत्यंत निंदनीय है। आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभिषेक सिंह के कक्ष में घुसकर कुछ लोगों द्वारा की गई अभद्रता, अशिष्टता और हिंसा का प्रयास प्रशासनिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। इस प्रकार की घटनाओं से संपूर्ण शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में भय, असुरक्षा और असमंजस का वातावरण निर्मित होता है, जिससे शासकीय कार्य और शैक्षणिक गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित होती हैं। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस स्पष्ट रूप से मानती है कि प्रत्येक व्यक्ति, संगठन या समूह को अपने अधिकारों और मांगों के लिए लोकतांत्रिक तथा शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार है, लेकिन किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के साथ अभद्रता, धमकी अथवा हिंसा का मार्ग अपनाना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं किया जा सकता। हम लोक शिक्षण संचालनालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं और शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग करते हैं कि:

● इस पूरी घटना की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। ● घटना में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

बहिष्कार की अपील

कल आयुक्त लोक शिक्षण से किये दुर्व्य वहार उपरांत लोक सेवकों के आक्रोशित जन समूह द्वारा आत्म स्वभविमान की रक्षा हेतू प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग बंद कर सविनय कार्य अवज्ञा आंदोलन का निर्णय लेने का परामर्श कर्मचारी संघो को दिया था। जिसके परिणाम स्वरूप हम आज मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग के सभी संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बीईओ ऑफिस सहित सारे स्कूल के लोक सेवकों से ई उपस्थित दर्ज करने उपरांत कार्य के बहिष्कार की अपील करते हैं। आज ठीक 11.00 बजे हम अपना धरना प्रदर्शन लोक शिक्षण संचलनालय से चालू करेंगे। मप्र आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष केके आर्य ने आह्वान किया कि सभी शिक्षक स्वेच्छा से अपनी उपस्थित इस विरोध में दर्ज करा सकते हैं।

प्रदेश के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और युवाओं से हमारी विनम्र अपील है कि वे किसी भी प्रकार के उकसावे में न आएं। संयम, अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पूर्ण पालन करते हुए अपने हितों की न्यायसंगत लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएं। आइए, शिक्षक समाज की गरिमा और अनुशासन को बनाए रखते हुए एकजुटता का परिचय दें।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को अतिरिक्त अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि 21 से 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। इस चरण में विद्यार्थियों को उपलब्ध रिक्त सीटों पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर निर्धारित अवधि में प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि पात्र विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया समय-सीमा में पूर्ण कराते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराएं। 31 अगस्त को निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद प्रवेश मान्य नहीं होगा। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी जारी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी भी जारी की गई है।

अग्रवाल महिला मंडल ने मातृशक्ति को समाज की गरिमा के अनुरूप रचनात्मक सेवा कार्यों से जोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन और कुलदेवी महालक्ष्मी के आशीर्वाद से अग्रवाल समाज की मातृशक्ति ने सेवा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान बनाए हैं। अग्रवाल महिला मंडल मल्हारगंज ने शहर में मातृशक्ति को सामाजिक क्षेत्र में न केवल स्थापित किया है बल्कि समाज की परम्परा और गरिमा के अनुरूप नई पीढ़ी को भी रचनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ा है। यह सिलसिला निरंतर चलते रहना चाहिए। ये प्रेरक विचार हैं अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के उपाध्यक्ष जगदीश गोयल के, जो उन्होंने अग्रवाल महिला मंडल की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती शीला अग्रवाल एवं उनके संचालक मंडल के बाबाश्री रिसोर्ट पर आयोजित शपथ विधि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। अग्रसेन महासभा के पूर्व अध्यक्ष एस एन गोयल समाधान एवं अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द सिंघल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने भी अग्रवाल महिला मंडल की तीन दशक पुरानी गौरवगाथा का उल्लेख करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज में महिलाओं को सेवा के क्षेत्र से जोड़ने में महिला मंडल ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

राजीव गांधी सद्भावना सम्मान से अर्चना जायसवाल सम्मानित

इंदौर ● राजीव गांधी आस्था स्तंभ संस्था कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समिति अध्यक्ष विजय कुमार मेहरा ने बताया कि उत्कृष्ट सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यों के लिए मप्र महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्चना जायसवाल को राजीव गांधी सद्भावना सम्मान से सम्मानित किया गया।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम की अंग्रेजी वर्तनी पूर्व में 'Baby' अंकित थी, जिसे अब संशोधित कर 'Bebi' कर दिया गया है। भविष्य में मेरे सभी अभिलेखों एवं कार्यों में मेरा नाम 'Bebi' ही सही एवं मान्य माना जाए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

।। मना करना सीखें ।।

उज्जैन में नए जिला जज नियुक्ति पर आए। चूँकि शर्मा थे अतः हम सब समाजजन उनसे धर्मशाला के एक आयोजन के लिए मुख्य अतिथि बनने का आग्रह लेकर मिलने गए। बताया कि पहले वाले डी.जे. साहब लगातार आयोजनों में आते थे। एक धर्मशाला में किराएदार से दुकान खाली करवाने में भी उनकी काफ़ी मदद रही। उन्होंने बड़े सम्मान के साथ बैठाया और चपरासी को सबके लिए चाय लाने का कहा। फिर कहने लगे आपने याद किया अच्छा लगा, पर मैं किसी भी तरह के आयोजन में जाता नहीं हूँ। क्योंकि जाने से मुलाकातें होती हैं, एक लिहाज़ आ जाता है और मेरा न्याय चिंतन प्रभावित होता है। मैं यहाँ न्यायधीश की कुर्सी पर बैठकर दिन भर निष्पक्ष न्याय देना चाहता हूँ। मैं आपको हाँ बोलकर ना आऊँ या फिर कोई और बहाना बनाऊँ इससे बेहतर है मैं आपको आज ही बता दूँ कि मेरे पूरे कार्यकाल में यह उम्मीद बिल्कुल भी मत कीजिएगा कि मैं शहर के किसी भी आयोजन में जाऊँगा या फिर यहाँ भी समाज के नाते किसी को कोई प्राथमिकता दे पाऊँगा। फिल्म ताल में एक गाना था- करिए ना करिए, ना कोई वादा किसी से करिए ना, करिए-करिए तो वादा फिर तोड़िए ना। अनेक बार जीवन में लोक-लाज, शर्म, झिझक में हम ऐसे काम के लिए हाँ कर देते हैं जिसका परिणाम हमें पता होता है कि ये हमसे सम्भव नहीं होगा। बाद में काम न कर पाने के कारण उस वादा-खिलाफ़ी की झिझक न सिर्फ हमें परेशान करती है बल्कि सामने वाला भी हमारे भरोसे को खोकर किसी और की शरण में चला जाता है। ग्लानि और असहजता के इन अध्यायों का अंत अप्रिय ही होता है। मेरा मानना है कि प्रयास करूँगा, यह बोलना भी एक तरह का कमिटमेंट है। किसी ने शादी में आने के लिए आपको आमंत्रित किया। आपको पता है कि उस दिन को आपका कहीं और जरूरी अपॉइंटमेंट है। हो सकता है मेज़बान ने आपके लिए होटल में एक कमरा भी बुक कर रखा हो इंतज़ार भी कर रहा हो। जब आप उस शादी में नहीं गए तो उसका आर्थिक नुकसान हुआ, व्यवस्था गड़बड़ाई और उसके मन में आपके लिए मान भी घट गया। अब आप कितने ही बहाने बनाएँ, आपके नम्बर तो कम हो गए। लोगों के काम आना चाहिए, मदद भी करना ही चाहिए। अगर आपको लगता है कि यह मुमकिन नहीं तो किसी को भरोसे में न रखें, पहले ही मना कर दीजिए, अनुचित आश्वासनों के झाँकी मण्डप दुखदाई हैं। यदि आप हाँ कर चुके हैं और बाद में अनायास कोई दिक्कत आ गई तो बेहतर है आप यथासमय इसकी पूर्वसूचना क्षमायाचना के साथ मेजबान को भेज कर अपनी असमर्थता जता दें। 'एक पुरानी कहावत है किसी को ज़हर दे देना, पर झूठी तसल्ली मत देना।'

सतीश शर्मा

गठबंधन या मजबूरी का बंधन? सहारनपुर की रार से दिल्ली तक मची रस्साकशी

उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक शाश्वत नियम रहा है—यहाँ दिल्ली का रास्ता तो तय होता है, लेकिन प्रांतीय स्वाभिमान और क्षेत्रीय क्षत्रपों की महत्वाकांक्षाओं के टकराव में बड़े-से-बड़े राष्ट्रीय एजेंडे भी ध्वस्त हो जाते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने देश के सबसे बड़े राज्य में राजनीतिक चमत्कार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के 'अजेय रथ' की रफ्तार पर ब्रेक लगाया, तो देश भर के विपक्षी रणनीतिकारों को लगा कि उन्होंने भाजपा की चुनावी मशीनरी की अचूक काट ढूंढ ली है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी, जिसे 'यूपी के दो लड़के' कहकर प्रचारित किया गया, ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के एक नए सामाजिक समीकरण को जन्म दिया। इस समीकरण को जनता का भारी समर्थन मिला और गठबंधन ने राज्य की 80 में से 43 सीटों पर ऐतिहासिक विजय पताका फहराई। परंतु, राजनीति में जीत जितनी सुखद होती है, उसकी विरासत को संभालना और आगामी संघर्षों के लिए उसे अक्षुण्ण रखना उतना ही दुरूह कार्य होता है। आज, 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही, इस सफल गठबंधन की नींव हिलती हुई साफ दिखाई दे रही है। लखनऊ से लेकर दिल्ली के गलियारों तक यह चर्चा आम है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच 'सब कुछ ठीक नहीं है'। यह दरार अब केवल बंद कमरों की बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सार्वजनिक मंचों से लेकर सोशल मीडिया के अखाड़े तक खुलकर सामने आ रही है।

इस गहरे अविश्वास, जमीनी अंतर्विरोध और दोनों दलों के बीच जारी वर्चस्व की जंग का सबसे ताजा, ज्वलंत और चिंताजनक उदाहरण हाल ही में सहारनपुर में आयोजित 'दिशा' (ष्ठद्धस्॥) की आधिकारिक बैठक के दौरान देखने को मिला। जिला स्तर पर विकास कार्यों, प्रशासनिक तालमेल और स्थानीय जनसमस्याओं (विशेषकर एक नाले के निर्माण और विकास कार्यों की अनदेखी) की समीक्षा के लिए बुलाई गई इस उच्च स्तरीय बैठक में जो कुछ हुआ, उसने उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बहुत बड़ा यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है। बैठक के दौरान कांग्रेस के कद्दावर सांसद इमरान मसूद और समाजवादी पार्टी के स्थानीय विधायक आशु मलिक के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस विकास कार्यों के दायरे को लांघकर व्यक्तिगत आक्षेपों, सांगठनिक श्रेष्ठता की जंग और 'तू-तू मैं-मैं' के अमर्यादित स्तर पर पहुंच गई। दोनों नेताओं के बीच करीब सात से आठ मिनट तक चली इस तीखी जुबानी जंग का वीडियो कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो गया।

यद्यपि, राजनीति के तयशुदा व्याकरण के अनुसार, घटना के अगले ही दिन दोनों नेताओं और

दोनों पार्टियों के प्रवक्ताओं ने भारी डैमेज कंट्रोल की कोशिशें शुरू कर दीं। यह बयान जारी किए गए कि 'यह महज जनप्रतिनिधियों के बीच स्थानीय विकास कार्यों को लेकर हुई एक सामान्य प्रशासनिक बहस थी और इसे राजनीतिक गठबंधन के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।' लेकिन राजनीतिक विश्लेषक और जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता अच्छी तरह जानते हैं कि सियासत में इस तरह के सार्वजनिक और तीखे टकराव कभी भी महज प्रशासनिक मतभेद नहीं होते। यह वाकया उस ज्वालामुखी का एक छोटा सा विस्फोट है जो पिछले कई महीनों से दोनों पार्टियों के प्रांतीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के दिलों में सुलग रहा था। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि लोकसभा चुनाव में शीर्ष स्तर पर जो सामंजस्य और आपसी समझ दिखाई दे रही थी, वह जमीन पर जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक कभी पहुंची ही नहीं। सहारनपुर की यह घटना इस बात का प्रामाणिक दस्तावेज़ है कि दोनों दलों के नेता एक-दूसरे को सहयोगी कम और अपनी राजनीतिक जमीन का अतिक्रमण करने वाला प्रतिद्वंद्वी ज्यादा मान रहे हैं।

इस रार और अविश्वास की जड़ें केवल स्थानीय मुद्दों या किसी नाले के निर्माण तक सीमित नहीं हैं। इसकी असली वजह 2027 की चुनावी बिसात पर अपनी-अपनी ताकत दिखाने और भविष्य की सरकार में अपनी हिस्सेदारी तय करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। 2024 की सफलता के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर एक नए आत्मविश्वास का संचार हुआ है। पार्टी के रणनीतिकार, नए सांगठनिक प्रभारी और प्रांतीय नेता अब राज्य में खुद को समाजवादी पार्टी के 'जूनियर पार्टनर' या 'पिछलग्गू' के रूप में देखने को कतई तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के भीतर से लगातार यह मांग उठ रही है और सार्वजनिक मंचों से यह बयान दिए जा रहे हैं कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी से कम पर कोई समझौता नहीं करेगी। पार्टी के भीतर एक बड़ा धड़ा साफ तौर पर कम से कम 150 सीटों पर अपनी मजबूत दावेदारी ठोक रहा है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर हुई वापसी, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' और उनके द्वारा तैयार किए गए नैरेटिव के बिना उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को अकेले दम पर 37 सीटें मिलना किसी भी सूरत में संभव नहीं था। कांग्रेस का मानना है कि मुस्लिम और दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी के चेहरे और कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष साख को देखकर इस गठबंधन की ओर आकर्षित हुआ था। इसलिए, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उसका वाजिब हक मिलना ही चाहिए, क्योंकि उनके बिना राज्य में भाजपा-विरोधी कोई भी सरकार नहीं बन सकती।

इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी खुद को उत्तर प्रदेश में भाजपा-विरोधी और धर्मनिरपेक्ष राजनीति का 'बड़ा भाई' और एकमात्र वास्तविक विकल्प मानती है। अखिलेश यादव और उनके रणनीतिकारों का स्पष्ट मानना है कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर वास्तविक संगठन, समर्पित कैडर, बूथ मैनेजमेंट और सांगठनिक मशीनरी केवल और केवल समाजवादी पार्टी के पास है। कांग्रेस का सांगठनिक ढांचा आज भी राज्य के अधिकांश जिलों में ब्लॉक और बूथ स्तर पर बेहद कमजोर, निष्क्रिय या लगभग गायब है। ऐसे में, सपा नेतृत्व कांग्रेस को 60 से 70 से अधिक सीटें देने के मूड में नहीं है। समाजवादी पार्टी के भीतर एक बहुत बड़ा और मुखर धड़ा यह मानता है कि कांग्रेस को उसकी सांगठनिक क्षमता से अधिक सीटें देने का सीधा मतलब भारतीय जनता पार्टी को 'वॉकओवर' देना होगा। सपा नेता पिछले विधानसभा चुनावों (विशेषकर 2017 के सपा-कांग्रेस गठबंधन) के कड़वे अनुभवों का हवाला देते हैं, जहां कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन उसका स्ट्राइक रेट बेहद निराशाजनक रहा था और गठबंधन औंधे मुंह गिर गया था। सपा के रणनीतिकार इस बात को लेकर भी अत्यधिक सतर्क हैं कि राष्ट्रीय राजनीति में मजबूती पाने की आड़ में कहीं कांग्रेस उनके पारंपरिक और कोर वोट बैंक (मुस्लिम और यादव) में एक स्थायी सेंधमारी न कर दे।

वोटो के इस आंतरिक ध्रुवीकरण और वर्चस्व की मूक जंग में सबसे बड़ा पेंच मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर फंसा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस वर्ग ने बिना किसी दुविधा के, बेहद समझदारी से भाजपा को हराने के लिए एकमुश्त इस गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। परंतु अब, कांग्रेस को यह साफ दिखाई दे रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय और गैर-जाटव दलित मतदाता दोबारा अपने पुराने और पारंपरिक घर यानी कांग्रेस की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इसी मुस्लिम-दलित-सवर्ण गठजोड़ के पुराने फॉर्मूले को पुनर्जीवित कर अपने खोए हुए राजनीतिक साम्राज्य को बहाल करना चाहती है। इसके उलट, समाजवादी पार्टी अपने इस मुख्य आधार—जिसके दम पर वह राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बनी हुई है—को किसी भी कीमत पर अपने हाथ से खिसकने नहीं देना चाहती। सपा को डर है कि यदि मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस की तरफ शिफ्ट हो गया, तो उसका क्षेत्रीय क्षत्रप और राज्य की राजनीति का मुख्य ध्रुव होने का दर्जा हमेशा के लिए खतरे में पड़ जाएगा। सहारनपुर की घटना और उसके बाद इमरान मसूद जैसे नेताओं के तीखे बयान इसी वोट बैंक पर अपने-अपने प्रभाव को साबित करने की एक अघोषित और आक्रामक जंग का हिस्सा हैं।

यह बात को प्रमुखता से रेखांकित होती है कि शीर्ष स्तर पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव की आपसी केमिस्ट्री चाहे जितनी भी मजबूत, सौहार्दपूर्ण और परिपक्व दिखाई दे, जमीन पर व्यावहारिक राजनीति केवल व्यक्तिगत दोस्ती या मुस्कुराती हुई तस्वीरों से संचालित नहीं होती। व्यावहारिक राजनीति हमेशा कार्यकर्ताओं की महत्वाकांक्षाओं, स्थानीय नेताओं के अस्तित्व के संकट और क्षेत्रीय सामाजिक समीकरणों से संचालित होती है। शीर्ष स्तर के नेता भले ही दिल्ली या लखनऊ में बैठकर बंद कमरों में कोई समझौता कर लें, लेकिन जब तक बूथ स्तर पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं का दिल नहीं मिलेगा और वोटों का ट्रांसफर पूरी ईमानदारी के साथ एक-दूसरे के पक्ष में नहीं होगा, तब तक किसी भी गठबंधन की सफलता केवल एक किताबी कल्पना ही रहेगी।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

132 केवी बिजली लाइन से प्रभावित किसानों ने मांगा मुआवजा

दैनिक इंदौर संकेत

धार • डही क्षेत्र में 132 केवी हाईटेंशन विद्युत प्रसारण लाइन से प्रभावित किसानों ने क्षतिपूर्ति सहित विभिन्न मांगों को लेकर धार तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया। किसानों ने पूरे मामले की जांच कराकर नुकसान का दोबारा सर्वे और पात्र किसानों को पूर्ण क्षतिपूर्ति देने की मांग की। किसानों ने मांग की कि विद्युत लाइन के टावर, ऋद्ध कॉरिडोर, फसल, पेड़, कुएं, ट्यूबवेल और सिंचाई साधनों से हुए नुकसान का दोबारा सर्वे और मूल्यांकन कराया जाए। किसानों का कहना है कि कई प्रभावित किसानों को अब तक अंतिम और पूर्ण क्षतिपूर्ति नहीं मिली है। ज्ञापन में किसानों ने 17 नवंबर 2025 की नई गाइडलाइन की लागू स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की। इसके साथ ही निर्माण कार्य की वास्तविक पूर्णता तिथि की जांच कराने और टावर व ऋद्ध कॉरिडोर का किसानों की मौजूदगी में दोबारा मापन कराने की मांग रखी गई। किसानों ने प्रत्येक प्रभावित किसान को क्षतिपूर्ति की गणना का पूरा विवरण उपलब्ध कराने की मांग भी की। ज्ञापन के दौरान भारतीय किसान संघ के धार-तिरला विकासखंड उपाध्यक्ष विष्णु मुकाती, पदाधिकारी वासुदेव सांखला, अशोक विष्णु मुकाती, यशवंत मुकाती और मनोहर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। बदनावर, नालछा और सरदारपुर क्षेत्र से भी किसान धार पहुंचे। किसानों ने प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कर पात्र किसानों को पूरी क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समयबद्ध कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

कांग्रेस 'वंदे मातरम' के टुकड़े कर रही: गजेंद्र पटेल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद खरगोन सांसद गजेंद्र पटेल गुरुवार शाम पहली बार शहर पहुंचे। इस दौरान 50 से अधिक मंचों पर उनका भव्य स्वागत किया गया। पटेल को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की कार्यकारिणी में यह नई जिम्मेदारी मिली है। नवग्रह मंदिर में पूजन-दर्शन के बाद ढोल-ताशे और आतिशबाजी के साथ एक रैली निकाली गई। यह रैली बावड़ी, डायवर्शन रोड और गायत्री मंदिर तिराहा होते हुए आगे बढ़ी, जहां जगह-जगह फूल बरसाकर उनका सम्मान किया गया। लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तय कर रैली शाम 8 बजे जिला कार्यालय पहुंची।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे और खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार सहित नगर व जिला संगठन के मोर्चा पदाधिकारी मौजूद थे। परिवहन परिसर में आयोजित स्वागत समारोह में विधायक पाटीदार ने कहा कि यह

निमाड़ के लिए गर्व का विषय है कि उसे विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के नेतृत्व का सौभाग्य मिला है। सांसद पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि यह खरगोन-बड़वानी के कार्यकर्ताओं का सम्मान है। उन्होंने पार्टी द्वारा सौंपे गए दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाने का आश्वासन दिया। पटेल ने 2047 तक विकसित भारत और देश के शत-प्रतिशत राज्यों में भाजपा सरकार के लक्ष्य पर भी बात की।

राष्ट्रीय महामंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अंग्रेजों की 'फूट डालो' की राह पर चल पड़ी है और 'वंदे मातरम' को दो टुकड़ों में किया जा रहा है। उन्होंने निमाड़ संभाग का मुख्यालय खरगोन बनाने और जल्द ही यहां रेल पहुंचाने का भी आश्वासन दिया। इससे पहले, पटेल भाजपा में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के महामंत्री का दायित्व निभा चुके हैं। जिले में उनकी रैली की शुरुआत दोपहर 1 बजे धामनोद रोड से महेश्वर तहसील से हुई थी। वे महेश्वर, मंडलेश्वर और कसरावद होते हुए खरगोन पहुंचे थे।

मेहता बने मप्र शिक्षक संघ के अध्यक्ष, धार जिलाध्यक्ष दिलीप शास्त्री ने की नियुक्ति

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मप्र शिक्षक संघ ने मनावर तहसील के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति की है। शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय, देवगढ़ के उच्च श्रेणी शिक्षक मुकेश मेहता को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। धार जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार शास्त्री ने गुरुवार, 20 अगस्त को एक पत्र जारी कर इसकी घोषणा की। जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार शास्त्री ने इस अवसर पर कहा कि मुकेश मेहता अपनी संगठनात्मक क्षमता से मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की तहसील इकाई को मजबूत करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मेहता शिक्षकों के हितों के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।

अपनी नियुक्ति पर नव नियुक्त तहसील अध्यक्ष मुकेश मेहता ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के लिए काम करेंगे। मेहता ने संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर तहसील इकाई को सशक्त बनाने और सदस्यता अभियान को गति देने का संकल्प लिया है। उनकी नियुक्ति पर मित्रों और परिचितों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

चंबल नदी का पानी काला-हरा हुआ फैक्ट्रियों के गंदे पानी पर उठे सवाल

दैनिक इंदौर संकेत

धार • धार और इंदौर जिले की सीमा से गुजरने वाली चंबल नदी इन दिनों प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। शुरुआती बारिश के साथ ही नदी का पानी काला और गहरे हरे रंग का दिखाई देने लगा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-3 की कुछ फैक्ट्रियों से निकलने वाला प्रदूषित पानी नालों के जरिए नदी में पहुंच रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बारिश शुरू होते ही नालों के जरिए नदी में पहुंचने वाले पानी से चंबल का रंग बदल जाता है। उनका दावा है कि बढ़ते प्रदूषण का असर मछलियों और दूसरे जलीय जीवों पर पड़ रहा है। नदी किनारे बसे गांवों के जलस्रोतों के भी प्रदूषित होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या पहली बार नहीं आई है। लगातार तीसरे साल शुरुआती बारिश के दौरान चंबल नदी का पानी प्रदूषित होने की स्थिति सामने आई है। इसके बावजूद प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की जा रही है। चंबल नदी इंदौर जिले के जानापाव क्षेत्र से निकलती है। यह मध्यप्रदेश से होते हुए राजस्थान और उत्तरप्रदेश तक करीब 960 किलोमीटर का सफर तय करती है। नदी पर कई बड़े बांध भी बने हैं। ऐसे में नदी में प्रदूषण का असर बड़े क्षेत्र के पर्यावरण और जलस्रोतों पर पड़ सकता है।

मामले को लेकर धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना से चर्चा की गई। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताया है। कलेक्टर ने जल्द जांच दल गठित कर पूरे मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि नदी में प्रदूषित पानी कहां से पहुंच रहा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

सोयाबीन की फसल पर इल्ली का प्रकोप, किसान परेशान; उत्पादन घटने की आशंका

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मनावर विकासखंड में करीब 12 दिन से बारिश नहीं होने से किसान और व्यापारी चिंतित हैं। 1 जून से अब तक क्षेत्र में 416 द्वद्व बारिश दर्ज हुई है। कम बारिश के कारण सोयाबीन की फसल पर छोटी इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे उत्पादन घटने की आशंका है।कम बारिश और उमस के बीच सोयाबीन की फसल पर छोटी इल्ली का प्रकोप देखा जा रहा है। इल्ली पत्तियों को नुकसान पहुंचा रही है। किसानों के मुताबिक, सोयाबीन में फलियां उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रही हैं। इससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है।

किसान मुकेश पाटीदार ने बताया कि इल्ली के प्रकोप को रोकने के लिए 2 से 3 बार कीटनाशक का छिड़काव किया जा चुका है। किसान प्रोफेनोफॉस, इमामेक्टिन और क्लोरेंट्रानिलिप्रोल जैसी दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार उमस और बीच-बीच में हुई बारिश से इल्ली का जीवनचक्र तेज हुआ है।

विशेषज्ञों ने नियमित निगरानी की सलाह दी

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को खेत की नियमित निगरानी के साथ पत्तियों के नीचे कीटों की जांच करने के लिए कहा है। उन्होंने आर्थिक क्षति स्तर से अधिक प्रकोप होने पर ही कीटनाशक का छिड़काव करने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक ही दवा का बार-बार उपयोग नहीं किया जाए। कीटनाशक का छिड़काव सुबह या शाम ठंडे समय में करना बेहतर है। कृषि विभाग के ख्र्ष्ठह महेश बर्मन ने बताया कि किसानों को अब तेज बारिश की जरूरत है। उनके अनुसार, बारिश होने से फसल को राहत मिलने की उम्मीद है।

नदियों-तालाबों में कम हुआ वॉटर लेवल

कम बारिश का असर खेतों के साथ जलस्रोतों पर भी दिख रहा है। नदियों, नालों और तालाबों में पानी कम है। अगस्त में आमतौर पर भरी रहने वाली मान सिंचाई परियोजना का वॉटर लेवल भी इस बार करीब 10 मीटर कम है। मनावर, गंधवानी और उमरबन के कई जलस्रोतों में भी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं है। इससे आगामी रबी फसल की बुवाई को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है।

अमानक पॉलिथीन रखने की मिली थी शिकायत, गोदाम सील

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • शहर के सिल्वर कॉलोनी पार्क में अमानक पॉलिथीन रखने की शिकायत पर नगर निगम ने गुरुवार को एक गोदाम सील कर दिया। निगम आयुक्त के निर्देश पर टीम मौके पर पहुंची और गोदाम में ताला लगाकर उसे सील कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गोदाम गुलरेज शेख का बताया जा रहा है। उन्होंने यह जगह किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग के लिए दे रखी थी। नगर निगम को शिकायत मिली थी कि गोदाम में अमानक पॉलिथीन रखी गई है। शिकायत के बाद निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और कार्रवाई करते हुए पूरे गोदाम को सील कर दिया। हालांकि, गोदाम में कितनी मात्रा में अमानक पॉलिथीन रखी थी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। नगर निगम की ओर से भी इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, जांच पूरी होने के बाद ही पॉलिथीन की मात्रा और मामले में आगे की कार्रवाई की स्थिति साफ होगी।

जांच जारी

मुख्य स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार ने बताया कि निगम आयुक्त के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि गोदाम को ताले लगाकर सील कर दिया गया है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

पीवी सिंधु वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर, चीन की तीसरी सीड वांग झी यी ने हराया

नई दिल्ली (एजेंसी) • पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गई हैं। उन्हें वूमंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 मैच में चीन की तीसरी सीड वांग झी यी ने 11-21, 21-15, 17-21 से हराया। यह मैच एक घंटे 28 मिनट तक चला। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही चैंपियनशिप में गुरुवार को चीन की खिलाड़ी क्रैम्प्स से परेशान दिखीं। इसके बावजूद उन्होंने भारतीय स्टार सिंधु को हरा दिया। इसी के साथ सिंगल्स कैटेगरी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। सिंधु से पहले आयुष को इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने उन्हें 45 मिनट में 21-19, 21-11 से हराया। मिक्स्ड डबल्स के राउंड ऑफ 16 में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को पराजय का सामना करना पड़ा है। 15वीं सीड भारतीय जोड़ी को चीन के गुओ शिन वा और

चेन फांग हुई के खिलाफ 16-21, 5-21 हार झेलनी पड़ी है। यह मैच 31 मिनट तक चला। ध्रुव और तनिषा ने पिछले मैच में मकाऊ के लियोंग लोक चोंग और एन वेंग ची को 21-11, 21-11 से हराया था। मेंस डबल्स के राउंड ऑफ 16 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला मलेशिया के जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप से होना है।

स्वप्ना बर्मन डोप टेस्ट में पॉजिटिव नाडा ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारत की एथलीट और 2018 एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट स्वप्ना बर्मन डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई हैं। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। 29 साल की स्वप्ना के सैंपल में बोल्डेनोन नाम का प्रतिबंधित पदार्थ मिला है। स्वप्ना ने इसी महीने एथलेटिक्स से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने चोटों शरीर को फिट नहीं बताते हुए अपना करियर खत्म करने का फैसला लिया था। स्वप्ना बर्मन ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन में गोल्ड मेडल जीता था। वह एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनी थीं। हेप्टाथलॉन एथलेटिक्स का मिक्स्ड इवेंट है। इसमें खिलाड़ी दो दिनों में सात इवेंट्स में हिस्सा लेते हैं। इनमें 100 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, गोला फेंक, 200 मीटर, लंबी कूद, भाला फेंक और 800 मीटर शामिल हैं। स्वप्ना ने एशियन

चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था। वह 2016 रियो ओलिंपिक में भारत को रिप्रेजेंट कर चुकी हैं। स्वप्ना ने अगस्त 2026 की शुरुआत में ही एथलेटिक्स से संन्यास की घोषणा की थी। डोपिंग मामले में नाडा की कार्रवाई प्रोविजनल सस्पेंशन तक है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्हें इस मामले में अंतिम रूप से दोषी ठहराए जाने की बात सामने नहीं आई है। नाडा के मुताबिक, स्वप्ना के सैंपल में बोल्डेनोन पाया गया। यह एनाबॉलिक-एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड की श्रेणी का प्रतिबंधित पदार्थ है। एथलेटिक्स के अलावा स्वप्ना ने हाल ही में राजनीति में भी कदम रखा था।

इंग्लिश काउंटी में खेलते नहीं दिखेंगे ऑलराउंडर कीथ बार्कर

लंदन (एजेंसी) • इंग्लिश काउंटी टीम वार्तिकशायर के अनुभवी ऑलराउंडर कीथ बार्कर अब खेलते नहीं दिखेंगे। बार्कर ने खेल को अलविदा कह दिया है। इस क्रिकेटर ने अपने करियर के दौरान कुल 702 विकेट लिए थे। 39 साल के बार्कर ने लगातार चोटिल होने के कारण खेल से संन्यास लिया है। उनका कहना है कि अब शरीर साथ नहीं दे रहा है। उनके अचानक लिए इस फैसले से प्रशंसक और साथ खिलाड़ी हैरान हैं। इस ऑलराउंडर ने वार्विकशायर के लिए 2009 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। इससे पहले वह हैम्पशायर के साथ सात सफल सीज़न बिता चुके थे और फिर एक दशक बाद अपने शुरुआती क्लब में वापसी की। हालांकि, वापसी के बाद से फिटनेस ने उन्हें खासा परेशान किया, और मौजूदा सीज़न में वह वार्तिकशायर के लिए केवल काउंटी मैचों में ही मैदान पर उतर पाए, जिससे उनके भविष्य को लेकर आशंकाएं लगाई जा रही थीं। अपने 171 फर्स्ट क्लास मैचों में बार्कर ने एक शानदार ऑलराउंडर के रूप में अपने को साबित किया। अपने करियर में इस क्रिकेटर ने कुल 544 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 46 रन देकर 7 विकेट लेने का था। गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी इस क्रिकेटर ने काफी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 6 शतक और 26 अर्धशतकों की सहायता से 5554 रन बनाए।

'मिर्जापुर: द मूवी' के लिए कालीन भैया की शहर में वापसी

मुंबई (एजेंसी) • 'मिर्जापुर: द मूवी' को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। 11 अगस्त को रिलीज हुए फिल्म के मच अवेटेड ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। ट्रेलर में बड़े भौकाल, गद्दी की जंग और 'मिर्जापुर' की दमदार दुनिया की झलक देखने के बाद अब फिल्म को लेकर बज और भी बढ़ गया है। ट्रेलर को मिले इस शानदार रिस्पॉन्स के बीच फिल्म की स्टारकास्ट 22 अगस्त को लखनऊ पहुंची। अली फजल,

दिव्येंदु शर्मा और जितेंद्र कुमार ने शहर में फिल्म का प्रमोशन किया और मीडिया से बातचीत की। 'मिर्जापुर' की कहानी और इसकी दुनिया का उत्तर प्रदेश से खास कनेक्शन रहा है। ऐसे में लखनऊ में फिल्म का प्रमोशन करना टीम के लिए भी खास रहा। जिसके बाद अब 'मिर्जापुर: द मूवी' के स्टार्स पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और जितेंद्र कुमार 22 अगस्त 2026 को पटना का दौरा करेंगे। ट्रेलर और पहले गाने 'दो नंबरी' को मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद अब फिल्म की रिलीज को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट अपने चरम पर है। फिल्म की स्टारकास्ट में अली फज़ल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस. चौहान भी शामिल हैं। 'मिर्जापुर: द मूवी' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म को अमेज़न स्स्रू स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रस्तुत कर रहे हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म 4 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी।

दिशा पाटनी बनीं फिल्म 'आवारापन 2' की पहली पसंद

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री दिशा पाटनी फिल्म 'आवारापन-2' के लिए निर्माताओं की पहली पसंद थीं। फिल्म में पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी साथ नजर आ रही है और दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म के निर्माता विशेष भट्ट ने दिशा को मुख्य अभिनेत्री के तौर पर चुने जाने की वजह बताते हुए कहा कि उनका अब तक का सफर और उनकी व्यक्तित्व की खासियत इस किरदार के लिए बिल्कुल उपयुक्त थी। उन्होंने कहा कि इमरान और दिशा को एक साथ पर्दे पर देखना दिलचस्प है, क्योंकि इससे पहले दोनों कलाकारों को साथ नहीं देखा गया है। विशेष भट्ट ने कहा कि दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित सूरी की फिल्म मलंग में देखा है। मैं उनसे वर्ष 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ही की थी। उन्होंने कहा कि दिशा की खूबसूरती के अलावा उनकी अपनी खास शख्सियत है। फिल्म में उनका किरदार आधुनिक और आज के समय से जुड़ा हुआ है तथा दूसरे देश में रह रहा है। उन्होंने कहा कि इस किरदार को श्रीया सरन के किरदार से जानबूझकर अलग रखा गया है और दिशा इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लगीं। गौरतलब है कि आवारापन 2 में इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी पहली बार साथ दिखाई दे रही है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और बॉक्स ऑफिस पर भी इसका प्रदर्शन बेहतर बताया जा रहा है।

उज्जैन संभाग

मुख्यमंत्री ने देखा बाबा महाकाल की राजसी सवारी मार्ग का विकास कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत कंठाल चौराहा से सती गेट और आगे छोटा सराफा तक बाबा महाकाल की राजसी सवारी मार्ग पर चल रहे चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से कार्य की प्रगति और कार्ययोजना की जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने प्राचीन श्री चिंता हरण गणेश मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कंठाल चौराहा और सती माता मंदिर द्वार के प्रस्तावित विकास कार्यों की डिजाइन भी देखी। इस दौरान स्थानीय रहवासियों ने पुष्पमाला और दुपट्टा पहनाकर मुख्यमंत्री

का आत्मीय स्वागत किया। सिंहस्थ के लिए कंठाल चौराहा से छत्री चौक तक 410 मीटर मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है, जिसमें 310 मीटर पीसीसी सड़क का कार्य पूरा हो चुका है। कंठाल चौराहा पर 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में पेवर ब्लॉक से सौंदर्यीकरण और सती माता द्वार का विकास भी प्रस्तावित है। इस दौरान सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी संत उमेश नाथ महाराज, महापौर मुकेश टटवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

जहरीली शराब मामले में कांग्रेस का आबकारी कार्यालय पर धरना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • गुजरात में जहरीली शराब से हुई मौतों का मामला अब उज्जैन में भी राजनीतिक रंग ले चुका है। गुरुवार को उज्जैन जिला कांग्रेस ने रेलवे स्टेशन स्थित आबकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अधिकारियों से लगभग एक घंटे तक मामले को लेकर सवाल-जवाब किए। धरने को संबोधित करते हुए विधायक महेश परमार ने गुजरात में जहरीली शराब से हुई मौतों और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने का जिक्र किया। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए बताया कि गुजरात में जब्त की गई शराब की 28 पेटियों पर उज्जैन आबकारी विभाग की सील मिली है। परमार ने सवाल उठाया कि उज्जैन आबकारी विभाग की सील और मोहर गुजरात तक कैसे पहुंची। विधायक परमार ने कहा कि उज्जैन की पहचान भगवान महाकाल, मां शिप्रा और धार्मिक परंपराओं से है। ऐसे में जहरीली शराब मामले में उज्जैन का नाम आना गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले पर तत्काल स्पष्टीकरण देने और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि उज्जैन में पहले भी जहरीली शराब से मौतें हो चुकी हैं। उन्होंने नकली पनीर, नकली दवाइयों, दूषित पानी और

नकली घी जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए प्रदेश सरकार पर मिलावटखोरों और शराब माफिया पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के आरोपों पर आबकारी विभाग की ओर से सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनीष बर्वे ने स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने बताया कि गुजरात के एसपी मयूर चावड़ा के बयान के अनुसार, संबंधित शराब भावनगर में बनी और वहीं से बेची गई थी। प्रारंभिक जानकारी में इसका उज्जैन से कोई संबंध सामने नहीं आया है।

महाकाल शयन आरती के बाद परचुरे भवन पर चला बुलडोजर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल मंदिर के सामने स्थित परचुरे भवन को बुधवार देर रात ध्वस्त कर दिया गया। लगभग 65 साल पुराने इस जर्जर भवन पर महाकाल की शयन आरती के बाद नगर निगम का बुलडोजर चला। उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में यह कार्रवाई लगभग 60 मिनट में पूरी हुई। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री प्रमोद मालवीय ने बताया कि यह भवन 60 से 65 साल पुराना था और आरसीसी संरचना का नहीं था। यह ओपन फाउंडेशन पर बना था और इसकी संरचनात्मक स्थिति बेहद खराब हो चुकी थी। भवन की स्थिति का आकलन करने के लिए भोपाल स्थित मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की तकनीकी टीम से निरीक्षण कराया गया था। मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की तकनीकी रिपोर्ट में भवन की भार वहन करने वाली चिनाई की दीवारों के बाहर की ओर झुकने, दीवारों में व्यापक दरारें, सहायक स्टील गर्डरों में क्षरण, पारंपरिक छत प्रणाली के कमजोर होने, कई स्थानों पर सीलन और सीढ़ियों में खराबी जैसी गंभीर कमियां सामने आई थीं। रिपोर्ट में भीड़भाड़ के दौरान भवन के उपयोग को जोखिमपूर्ण बताया गया था। अधीक्षण यंत्री प्रमोद मालवीय के अनुसार, भगवान महाकाल की सवारी के दौरान इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं। ऐसी स्थिति में यदि लोग जर्जर भवन की छत या ऊपरी मंजिल तक पहुंचते तो भवन पर अतिरिक्त भार पड़ सकता था, जिससे गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती।

किसान कलेक्ट्रेट गेट पर बैठे रहे; फसल मुआवजा और बीमा मांगा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का 'घेरा डालो, डेरा डालो' आंदोलन कलेक्टर कार्यालय के बाहर शुरू हुआ। किसान कलेक्टर कार्यालय के सामने भोपाल रोड पर धरने पर बैठे, लेकिन तीन घंटे तक कोई अधिकारी किसानों से चर्चा करने नहीं पहुंचा। इसके बाद किसानों का आक्रोश बढ़ गया और उन्होंने आंदोलन तेज करते हुए कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट पर ही डेरा डाल दिया। किसान गेट के सामने बैठकर जमकर नारेबाजी करने लगे। भारतीय किसान संघ का कहना है कि जिलेभर से 700 से अधिक किसान आंदोलन में शामिल हुए।

हवाई हमला होने पर निपटने के लिए मॉकड्रिल, लोगों को रस्सी से नीचे उतारा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • नगर निगम परिसर में गुरुवार को हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए मॉकड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास में चेतावनी जारी होने से लेकर घायलों को सुरक्षित निकालने, आग बुझाने और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया गया। इस दौरान ऊंची इमारत में फंसे लोगों को रेस्क्यू टीम ने रस्सियों के सहारे सुरक्षित नीचे उतारा। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर हुए संयुक्त अभ्यास में होमगार्ड, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, आपदा मित्र, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें शामिल हुईं। टीमों ने हवाई हमले में घायल लोगों को प्राथमिक उपचार देने, आग पर काबू पाने, ऊंची इमारत से रेस्क्यू और भीड़ नियंत्रण जैसी परिस्थितियों में अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया। मॉकड्रिल का उद्देश्य वास्तविक आपदा की स्थिति में विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय, रेस्क्यू टीम की प्रतिक्रिया और

मौके पर निर्णय लेने की क्षमता को परखना था। अधिकारियों ने राहत-बचाव कार्य के दौरान विभागों के बीच त्वरित तालमेल पर भी जोर दिया। नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने कहा कि ऐसे संयुक्त अभ्यास से आपदा के समय की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय विकसित होता है। मॉकड्रिल में जिला सेनानी राजेश जैन, कंपनी कमांडर वीणा कौशल, प्लाटून कमांडर माखन सिंह पवार सहित सिविल डिफेंस और आपदा मित्र की टीमें मौजूद रहीं।

एनएचएआई की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • खातेगांव कोर्ट ने इंदौर-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीन का 9.73 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा न देने पर सख्त रुख अपनाया है। डिक्री पारित होने के बाद भी राशि का भुगतान न किए जाने पर न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की जंगम संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। न्यायालयीन आदेश के परिपालन में गुरुवार को न्याय विभाग की टीम बरवाई खेड़ा टोल प्लाजा पहुंची। टीम ने वहां पहुंचकर कुर्की की कार्रवाई का पंचनामा तैयार किया और संबंधित संपत्तियों को टोल प्लाजा कंपनी के सुपुर्द कर दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए जमीन अधिग्रहण के बावजूद राशि न मिलने पर 14 भूस्वामियों ने कोर्ट की शरण ली थी। न्यायालय द्वारा डिक्री जारी किए जाने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ, जिसके चलते डिक्री की राशि और खर्च की वसूली तक संपत्ति कुर्क रखने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के बीच एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनीष मीणा ने बताया कि 10 भूस्वामियों का भुगतान 'फैक्टर-1' के आधार पर पहले ही किया जा चुका है।

शनिवार से संचालन शुरू होने की उम्मीद, पर्यटकों में उत्साह

ट्रायल सफल, अब दौड़ेगी हेरिटेज ट्रेन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर-महू ● पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन के तालपानी-कालाकुड दोबारा संचालन की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। गुरुवार दोपहर रेलवे अधिकारियों की मौजूदगी में इस हेरिटेज सेक्शन पर ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया गया। निरीक्षण के दौरान ट्रैक की मजबूती, सिग्नलों की स्थिति और कोचों की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा गया, जिसके बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई।

बीकानेर में हुआ कायाकल्प- हेरिटेज ट्रेन के सभी 6 कोचों को विशेष रखरखाव और कायाकल्प के लिए राजस्थान के बीकानेर वर्कशॉप भेजा गया था। पिछले सप्ताह मेंटेनेंस के बाद इन कोचों को इंदौर के लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन लाया गया। वहां से मालगाड़ी के जरिए इन्हें पातालपानी स्टेशन पहुंचाया गया, जहां कोचों को मालगाड़ी से उतारकर मीटरगेज ट्रैक पर स्थापित किया गया।

4 नॉन-एसी और 2 विस्टाडोम कोच बढ़ाएंगे सफर का रोमांच- पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार इस हेरिटेज ट्रेन में कुल 6 कोच शामिल रहेंगे। प्रकृति के खूबसूरत और विहंगम दृश्यों का 360 डिग्री व्यू देने के लिए इसमें 2 विशेष एसी विस्टाडोम कोच लगाए गए हैं। इसके अलावा बजट अनुकूल यात्रा के लिए 4 नॉन-एसी कोच भी ट्रेन का हिस्सा रहेंगे। रेलवे प्रशासन जल्द ही इसके नियमित संचालन का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर देगा, जिसके बाद आगामी शनिवार से पर्यटक इस रोमांचक सफर का आनंद ले सकेंगे।

सफर रोमांच से भरपूर- पातालपानी से कालाकुंड के बीच का यह 9.5 किलोमीटर का सफर घने जंगलों, घुमावदार घाटियों, चार ऐतिहासिक सुरंगों और पातालपानी झारने के ठीक पास से होकर गुजरता है। इसे देखने के लिए देशभर से सैलानी यहां पहुंचते हैं।

क्षेत्र में रोजगार को लगेंगे पंख बुकिंग सिर्फ ऑनलाइन होगी

ट्रेन सेवा दोबारा बहाल होने से पातालपानी और कालाकुंड क्षेत्र में पर्यटकों की आमद तेजी से बढ़ेगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार, छोटे दुकानदारों और पर्यटन कारोबार को भारी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेलवे ने साफ किया है कि इस ट्रेन में सफर के लिए यात्रियों को सिर्फ आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के जरिए ऑनलाइन एडवांस रिजर्वेशन कराना होगा। ऑफलाइन टिकट काउंटर की कोई व्यवस्था नहीं रहेगी।

आईडीए की स्कीम 171 की 13 सोसायटियों की जांच शुरू, सहकारिता अधिकारियों को नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की स्कीम 171 में शामिल 13 सोसायटियों की जांच शुरू हो गई है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने जांच का जिम्मा अपर कलेक्टर आईएएस पंवार नवजीवन विजय को दिया है। जांच अधिकारी ने सभी की ऑडिट रिपोर्टें तलब की हैं।

इंदौर विकास प्राधिकरण की स्कीम 171 में शामिल सोसायटियों की जांच एक बार फिर शुरू हो गई है। इन सोसायटियों को स्कीम से मुक्त किया जाना है। इसके लिए ये 5.89 करोड़ की राशि दिसंबर 2024 में ही आईडीए को जमा करा चुकी हैं। लेकिन मामला फंसा हुआ है। अब सोसायटियों के ऑडिट और वरिष्ठता सूची को लेकर जांच कराई जा रही है।

कलेक्टर ने अपर कलेक्टर पंवार नवजीवन विजय को जांच का जिम्मा सौंपा है। जांच अधिकारी ने गुरुवार, 20 अगस्त को कलेक्टोरेट में सभी सोसायटियों के अध्यक्षों और प्रशासकों की बैठक बुलाई। इसमें सामने आया कि केवल चार संस्थाओं को छोड़कर बाकी के ऑडिट सालों से लंबित हैं। इस पर सभी संस्थाओं को सात दिन में ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सदस्यों की वरिष्ठता सूची भी अपडेट करने के लिए कहा है।

ये 13 संस्थाएं, 6000 सदस्य हैं

देवी अहिल्या श्रमिक कामगार संस्था, अध्यक्ष विमल अजमेरा, साल 2007-08 तक ऑडिट।
न्याय विभाग कर्मचारी संस्था, प्रताप सिंह रामेश्वर, 2016-17 तक ऑडिट।
इंदौर विकास गृह निर्माण, विनीत गुप्ता, ऑडिट 2023-24 तक।
मजदूर पंचायत, दीपक शर्मा अध्यक्ष, ऑडिट 2022-23 तक।
लक्ष्मण नगर गृह निर्माण, प्रशासक अजय पाठक, ऑडिट 2023-24 तक।
सूर्या गृह निर्माण, राजेश सोलंकी अध्यक्ष, ऑडिट 2023-24 तक।
मारुति गृह निर्माण, मुनेंद्र अग्रवाल अध्यक्ष, ऑडिट 2024-25 तक।
सन्नी गृह निर्माण, प्रशासक अमित दुबे, ऑडिट 2024-25 तक।
रजत गृह निर्माण, मोहम्मद सुफियान अध्यक्ष, ऑडिट 2022-23 तक।
त्रिशला गृह निर्माण, प्रशासक समीर हरदास, ऑडिट 2021-22 तक।
संजना गृह निर्माण, प्रशासक सुरेश भंडारी, ऑडिट 2017-18 तक।
श्री कृपा गृह निर्माण, प्रशासक श्याम छत्री, ऑडिट 2024-25 तक।
अप्सरा गृह निर्माण, प्रशासक मनोज शेल्के, ऑडिट 2024-25 तक।

निगम की 'पीली गैंग' में शामिल कर्मचारी ने रहवासी का सिर फोड़ा

वार्ड 21 के एमआर-10 क्षेत्र में विवाद के बाद हंगामा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम की कार्रवाई टीम एक बार फिर विवादों के घेरे में है। एमआर-10 क्षेत्र के जोन-6 अंतर्गत वार्ड 21 में निगम के कर्मचारियों पर रहवासी से मारपीट करने और उसके सिर पर ईंट मारकर घायल करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना के बाद क्षेत्र में हंगामा हो गया। रहवासियों ने निगम कर्मचारियों की गाड़ी को घेरकर विरोध जताया। मामला बढ़ता देख कर्मचारी वाहन लेकर मौके से निकल गए। वार्ड 21 क्षेत्र में निगम की टीम किसी कार्रवाई के लिए पहुंची थी। इसी दौरान कर्मचारियों और रहवासियों में विवाद हो गया। रहवासियों का आरोप है कि निगम कर्मचारी क्षेत्र में शराबखोरी भी करते हैं और इसका विरोध करने पर विवाद की स्थिति बनी। गाड़ी घेरकर जताया आक्रोश: विवाद के दौरान निगम के दरोगा अभिजीत ओटवाल पर रहवासी शुभम के साथ मारपीट करने और उसके सिर पर ईंट से हमला करने का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि ईंट लगने से शुभम के सिर में चोट आई।

भागीरथपुरा कांड के जिम्मेदार तय, जांच आयोग की 600 पन्नों की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दिसंबर-जनवरी के दौरान दूषित पानी से हुई 36 मौतों की जांच पूरी हो गई है। जनवरी 2026 में हाईकोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जांच आयोग बनाया था। आयोग ने 600 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी है।

इंदौर के अभी तक के शर्मनाक भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की जांच पूरी हो गई है। हाईकोर्ट डबल बेंच ने 27 जनवरी 2026 को हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया था। जांच आयोग ने इंदौर नगर निगम, आईडीए, प्रशासन, इंदौर स्वास्थ्य विभाग सभी से दस्तावेज लेने और खुले तौर पर आमजन से लिखित बयान बुलाने के बाद यह रिपोर्ट बनाई है।

मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार रिपोर्ट 600 पन्नों से ज्यादा की है। इसे हाईकोर्ट इंदौर में जमा करा दिया गया है। इस मामले में सुनवाई की संभावित तारीख 25 अगस्त को है। ऐसे में यह एमपी हाईकोर्ट की बेंच ही तय करेगी कि यह रिपोर्ट कब, कैसे ओपन होगी और कब इसकी कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी। यह रिपोर्ट पूरी तरह से सीलबंद है। इस रिपोर्ट से ही दो आईएएस की आगे की स्थिति तय होगी। तत्कालीन निगमायुक्त 2014 बैच के आईएएस दिलीप यादव और साल 2017 बैच के आईएएस व तत्कालीन अपर आयुक्त निगम रोहित सिसोनिया, दोनों को लेकर भी रिपोर्ट काफी अहम है। इसके साथ ही कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, पार्षद वाघेला इन सभी पर रिपोर्ट में क्या है, इस पर नजरें रहेंगी। भागीरथपुरा जल संदूषण घटना के लिए प्रथम दृष्टया जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों की पहचान करना और उन पर जिम्मेदारी तय करना।

गोपनीय तरीके से कमेटी ने बनाई रिपोर्ट

सूत्रों के मुताबिक, इस मामले की जांच को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है, क्योंकि मामला संवेदनशील है। जांच में आईएएस अधिकारियों से लेकर नगर निगम के कई अधिकारियों, स्थानीय पार्षद कमल वाघेला और निचले स्तर के कर्मचारियों की भूमिका की जांच की गई है। वहीं, मप्र सरकार ने अभी तक इन मौतों को दूषित पानी से मानकर मुआवजा राशि नहीं दी है।। फिलहाल रेडक्रॉस की ओर से इलाज के लिए दो लाख रुपए की मदद दी गई है। अब मुआवजे की राशि तय होना बाकी है।

निगम के 103 करोड़ के बिल घोटाले में ईडी ने इन 32 के खिलाफ किया चालान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में साल 2024 में सामने आए तथाकथित 150 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में ईडी का चालान पेश हो गया है। इसमें अभी तक ईडी ने 103 करोड़ का घोटाला और राशि का लिया जाना पाया है। इसमें कुल 32 लोगों को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में आरोपी बनाया गया है।

इंदौर नगर निगम में साल 2024 में हुए फर्जी टेंडर, वर्क ऑर्डर और बिल घोटाले में ईडी ने कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। इस मामले में ईडी ने 32 लोगों को आरोपी बनाया है। इंजीनियर अभय राठौर को मुख्य आरोपी बताया गया है।

आरोप है कि उन्होंने ठेकेदारों के साथ मिलकर इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया। ईडी की जांच में घोटाले की रकम 103 करोड़ 42 लाख रुपए सामने आई है, जिसे आरोपियों के बीच बांटने की बात कही गई है। ईडी इस मामले में कई संपत्तियां भी अटैच कर चुका है। जांच एजेंसी की ओर से पेश किया गया चालान करीब 20 हजार पेज का है, जिसमें 32 आरोपियों के नाम शामिल हैं। ईडी ने केस दर्ज करने के बाद 5 और 6 अगस्त 2024 को आरोपियों से जुड़े 20 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

गौतमपुरा में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार | बिना डिग्री लगा रहे बोतल इंजेक्शन

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा नगर और आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरो ने अपनी दुकानदारी जमा रखी है। गौतमपुरा नगर की बात करें तो 25 से ज्यादा अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे हैं। गांव में देखा जाए तो दो से अधिक क्लिनिक प्रत्येक गांव में दिखाई दे रहे हैं। जानकारी में आपको बता दें झोलाछाप डॉक्टरों के पास ना तो डिग्री है, ना परमिशन इसके बावजूद भी खुलेआम धड़ले से आम जनता का इलाज कर रहे हैं। जहां दवाई-गोली से ठीक होने वाले मरीज उन्हें अपने फायदे के लिए बोतल और इंजेक्शन लगाई जा रही है। जिसकी परमिशन झोलाछाप डॉक्टरों के पास नहीं है। आयुर्वेद का कोर्स कर एलोपैथिक के इलाज का व्यापार बड़े पैमाने पर गौतमपुरा में चल रहा है। इतना ही नहीं क्षेत्र के कुछ झोलाछाप डॉक्टर इलाज के साथ-साथ मेडिकल भी संचालित कर रहे हैं। हमारे क्लीनिक से इलाज कराओ और हमारी ही दुकान से दवाइयां खरीदो कई बार देखने में आया है। कि मरीज को हाई पावर दवाइयां दी जा रही है जहां 200 से 250 एमजी की दवाइयां में काम होता वहीं जल्दी ठीक करने के चक्कर में 500 एमजी से लेकर 600 एमजी तक की दवाई का उपयोग झोलाछाप डॉक्टर कर रहे इससे स्पष्ट प्रतीत होता है झोलाछाप डॉक्टर मरीज की जान के साथ खुलेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। हाई पावर की दवाइयों और इंजेक्शन से पहले भी क्षेत्र में कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई के नाम पर केवल खाना पूर्ति करने आते हैं।

देपालपुर स्वास्थ्य विभाग पर कहीं गंभीर सवाल खड़े हो गए जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र से गायब हैं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर विभा नागर कम अनुभव के चलते क्षेत्र में कार्यवाही नहीं कर पाती देपालपुर स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति के बाद अब तक इनके द्वारा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि नागर का अनुभव बेहद कमजोर हैं वह अभी स्वास्थ्य विभाग के कार्य को समझ रही है। लेकिन इसका फायदा क्षेत्र के झोलाछाप डॉक्टर उठा रहे। देपालपुर स्वास्थ्य विभाग में अनुभव अधिकारियो की आवश्यकता है अब देखना होगा जिम्मेदार अधिकारी झोलाछाप डॉक्टरों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

पीथमपुर में प्रताप ग्रुप की दो एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का भव्य उद्घाटन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

पीथमपुर ● प्रताप ग्रुप ने मध्य प्रदेश में दो एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का सफलतापूर्वक उद्घाटन कर उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इस ऐतिहासिक समारोह में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री माननीय गजेंद्र सिंह शेखावत की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से इन यूनिट्स का उद्घाटन किया। पहली यूनिट कॉर्सिस इंडस्ट्रीज-एडवांस्ड ऑप्टिकल फाइबर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है, जिसे भारत के तेजी से विस्तार कर रहे डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

आज से शुरू ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा आवेदक के लिए एक हजार रुपए प्रति प्रश्न पत्र शुल्क

शिक्षकों को टेट परीक्षा उत्तीर्ण करने दो साल का टाइम, पास नहीं हुए तो अनिवार्य सेवानिवृत्ति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में टेट परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन शुक्रवार 21 अगस्त से भरे जाएंगे। एमपी ऑनलाइन के पोर्टल से आवेदन भरने की प्रक्रिया पूरी होगी। जिसमें प्रति प्रश्न पत्र एक हजार शुल्क आवेदनकर्ता शिक्षक को देना होगा। यह परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए शिक्षकों के लिए दो साल की अवधि निर्धारित की गई है। अन्यथा इन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार शासकीय स्कूलों में कार्यरत करीब डेढ़ लाख शिक्षक पात्रता परीक्षा में बैठेंगे। शिक्षकों के लिए 31 अगस्त 2028 यानि दो साल की अवधि में परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगी। अन्यथा इन्हें अनिवार्य सवानिवृत्ति दे दी जाएगी। इसमें अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा वर्ग दिव्यांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यार्थियों के लिए 50, जबकि अन्य वर्ग के लिए 60 फीसदी अंक लाना अनिवार्य किया गया है। यह परीक्षा एमपीईएसबी द्वारा 12 अक्टूबर से कराई जा रही है। जिसमें 1998 से 2011 के बीच भर्ती शिक्षकों को पात्रता परीक्षा देनी होगी। पात्रता परीक्षा में 150 प्रश्नों का पेपर होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का निर्धारित किया गया है।

ईएसबी द्वारा तय शर्तों का पालन करना होगा-परीक्षा के लिए ईएसबी द्वारा अनेक शर्तें निर्धारित की गई हैं। बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटो युक्त पहचान पत्र अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान के रूप में अभ्यार्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा पासपोर्ट में किसी एक को चयनित किया जा सकता है। यूआईडीए के द्वारा सत्यापित होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलत होने से वंचित कर दिया जाएगा। अभ्यार्थियो को नियम पुस्तिका मे निश्चित मूल परिचय पत्र, आधार कार्ड, ई आधार कार्ड की छायाप्रति एवं आधार नंबर की जानकारी भी लाना अनिवार्य होगी। परीक्षा में प्रवेश के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। एग्जाम में रिपोर्टिंग के समय तक परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलंब से आने वाले अभ्यार्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

चार सितंबर तक किए जाएंगे आवेदन

ईएसबी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 4 सितंबर तक शिक्षक परीक्षा के लिए आवेदन करेंगे। जिन अभ्यार्थियों के आवेदनों में त्रुटियां होंगी। उनमे संशोधन की प्रक्रिया भी 21 अगस्त से प्रारंभ कर दी जाएगी। 9 सितम्बर तक त्रुटिपूर्ण आवेदनों में ऑनलाइन ही सुधार किया जाएगा। कियोस्क के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन भरने वाले अभ्यार्थियों हेतु पोर्टल का शुल्क इन्हें 60 रूपए देना होगा। इसके अतिरिक्त सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क 20 रूपए देय होगा।

शिक्षकों ने की विशेष अवकाश की मांग

इधर परीक्षा के लिए शिक्षकों ने विशेष अवकाश की मांग की है। गुरुजी अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल ने कहा है कि परीक्षा तैयारी के लिए शिक्षकों को कम से कम 15 दिन का विशेष अवकाश मिलना चाहिए। ताकि वह व्यवस्थित तरीके से एग्जाम तैयारियां कर सकें। उन्होंने कहा कि परीक्षा का अभी सिलेबस भी तैयार नहीं किया गया है।

मोबाइल कैलकुलेटर पूरी तरह प्रतिबंधित

परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रानिक डिवाईस, मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजिटल वॉच, सन ग्लासेस एवं नकल पर्चा का उपयोग पूरी तरह से वर्जित रहेगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र क्रमांक के द्वारा ही अभ्यार्थी को उसका प्रवेश पत्र मिलेगा। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने से समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।